संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -72 शुक्रवार , 12 जनवरी 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी ने अजमेर शरीफ चादर भेजी

दिल्ली,11 जनवरी 2024 (ए)। पीएम मोदी ने मुस्लिम डेलीगेशन के हाथ अजमेर शरीफ चादर भेजी है। पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। हमारी बातचीत के दौरान मैंने पवित्र चादर पेश की जिसे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स के दौरान प्रतिष्ठित अजमेर शरीफ दरगाह पर रखा जाएगा।

31 जनवरी से शुरू होगा संसद के अगले सत्र का आगाज

दिल्ली,11 जनवरी 2024 (ए)। 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद के बजट सत्र के तारीख का एलान हो गया है। संसद का अगला सत्र 31 जनवरी से शुरू हो रहा है। यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी बजट सत्र होगा। सूत्रों की मानें तो संसद का बजट सत्र 9 फरवरी तक चलेगा।

मिली जानकारी के मुताबिक,राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों को 31 फरवरी को संबोधित करेंगी। उसके बाद एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट पेश करेंगी।

दिल्ली-एनसीआर और चंडीगढ़ में भूकंप के तेज झटके

दिल्ली,11 जनवरी 2024 (ए)। दोपहर को दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 है। इसका केंद्र अफगानिस्तान के हिंदुकुश में जमीन से 213 किमी नीचे था। भूकंप के झटकों के बाद लोग घरों और दफ्तरों से बाहर खुले मैदानों में आ गए। दफ्तरों और घरों में पड़ा साजो सामान हिलने लगा। हालांकि अभी तक किसी प्रकार के जानी नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। पंजाब और जम्मू कश्मीर में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। चंडीगढ़ में भी झटके महसूस किए गए।

बाल-बाल बचीं महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर,11 जनवरी 2024 (ए)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती गुरुवार को उस समय बाल-बाल बच गई जब उनका वाहन राज्य के अनंतनाग जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

प्राण प्रतिष्ठा में भंग डालने में जुटा आईएसआई

कनाडा में रह रहे आतंकी लखबीर ने पाकिस्तान में बैठे रिंदा से आईएसआई ने बढ़ाया तालमेल

- » मंदिरों को निशाना बनाना चाहते हैं आतंकी
- » नापाक षड्यंत्र का पर्दाफाश
- » आतंकी वारदात करने के लिए नया माड्यूल तैयार
- » गणतंत्र दिवस पर पंजाब सहित देश के अन्य हिस्सों को भी दहलाने का है षड्यंत्र

तरनतारन,11 जनवरी 2024 (ए)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने गणतंत्र दिवस के मौके पर पंजाब व अन्य राज्यों को दहलाने का नापाक षड्यंत्र रचा है। आतंकी वारदात के लिए उसने कनाडा में बैठे आतंकी लखबीर सिंह व पाकिस्तान में रह रहे हरविंदर सिंह रिंदा को नए टारगेट दिए हैं। पाकिस्तान में लंबे समय से शरण लिए इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के अध्यक्ष रहे आतंकी लखवीर सिंह रोडे की मौत के बाद आइएसआइ माहौल बिगाड़ने की फिराक में है।

खुफिया एजेंसियों ने पंजाब सरकार को किया अलर्ट

सूत्रों के अनुसार, आइएसआइ चाहती है कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम जी की जन्मभूमि पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान मंदिरों को निशाना बनाया जाए, क्योंकि इस दिन बड़ी संख्या में मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटेगी। हालांकि, खुफिया एजेंसियों ने इनपुट मिलते ही पंजाब सरकार को अलर्ट कर दिया है। तरनतारन के कस्बा हरिके पत्तन से संबंधित लखबीर सिंह को आतंकी घोषित किया जा चुका है।

पंजाब की जेलों में हमले करने का रचा गया षड्यंत्र

लंबे समय से पाकिस्तान में शरण लिए बैठा रिंदा भी आतंकियों की सूची में शामिल है। आइएसआइ के

निर्देश पर अमल करने के लिए आतंकी लखबीर सिंह ने रिंदा के साथ तालमेल बढ़ा दिया है। सूत्रों के अनुसार, पंजाब की जेलों में हमले करने का षड्यंत्र भी रचा गया है। धार्मिक व राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने के अलावा सार्वजनिक स्थलों पर आतंकी वारदात के लिए लखबीर सिंह व रिंदा नया माड्यूल तैयार कर रहे हैं। इस नए माड्यूल में उन युवाओं को शामिल किया जा रहा है, जिनका पहले किसी आपराधिक वारदात में हाथ नहीं रहा।

रंगदारी के पैसों को नए टारगेट पर लगाने की तैयारी

लखबीर सिंह वर्ष 2022 में मोहाली स्थित पंजाब पुलिस के इंटेलिजेंस विंग के मुख्यालय व तरनतारन के सरहाली थाने पर राकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) हमले का मास्टरमाइंड है। लंबे समय से पंजाब के व्यापारियों को धमकाकर रंगदारी वसूल रहा लखबीर सिंह सारा पैसा नए मिले टारगेट पर लगाने के लिए नया माड्यूल तैयार कर रहा है। इतना ही नहीं भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ लगते गांवों में पाकिस्तान का नेटवर्क बढ़ाया जा रहा है।

पीएम मोदी आज करेंगे अटल सेतु का उद्घाटन

यह देश का सबसे लंबा समुद्री ब्रिज,बाइक-रिक्शा बैन,4 व्हीलर की मैक्सिमम स्पीड 100 केएमपीएच

मुंबई ,11 जनवरी 2024 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल (12 जनवरी) को मुंबई में देश के सबसे लंबे समुद्री ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। 21.8 किलोमीटर ब्रिज का नाम अटल सेतु रखा गया है। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी शामिल होंगे। इस ब्रिज पर वाहनों के लिए गाइडलाइन जारी की गई है।

मुंबई पुलिस ने बताया कि फोर-व्हीलर, मिनी बस और टू-एक्सेल व्हीकल की मैक्सिमम स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। ब्रिज की चढ़ाई और उतार पर स्पीड 40 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा नहीं होगी। वहीं, मोटरसाइकिल, मोपेड, तिपहिया

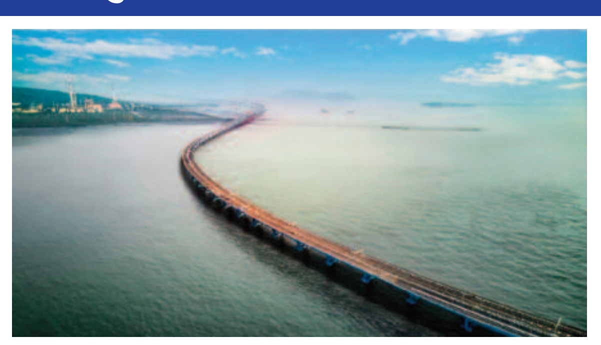

वाहन, ऑटो और ट्रैक्टर को इस ब्रिज पर प्रवेश नहीं मिलेगा।

ट्रक, बस और भारी वाहनों को मुंबई की तरफ जाने के लिए ईस्टर्न फ्री-वे में एंट्री नहीं दी जाएगी। इन वाहनों को मुंबई में प्रवेश करने के लिए मुंबई पोर्ट-सिवड़ी एग्जिट का उपयोग करना होगा।

ब्रिज के लिए 250 रुपए का टोल टैक्स लगेगा

मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण ने ब्रिज के लिए टोल टैक्स 500 रुपए निर्धारित किया था। इसके बाद महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की गुरुवार (4 जनवरी) की बैठक में टैक्स का आधा किया गया। 22 किलोमीटर के इस ब्रिज पर चलने के लिए लोगों को 250 रुपए चुकाने पड़ेंगे। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस ब्रिज को टोल फ्री करने की मांग की।

अटल सेतु की खासियत...

अटल सेतु 6 लेन समुद्री लिंक है। यानी दोनों तरफ 3-3 लेन में वाहनों चल सकेंगे। दोनों तरफ 1-1 इमरजेंसी लेन भी है।

ब्रिज की कुल लंबाई 21.8 किलोमीटर है। समुद्र पर 16.5 KM और तट के पास लैंड पर 5.5 KM पर यह ब्रिज बना है। ब्रिज से मुंबई और नवी मुंबई के बीच की दूरी केवल 20 मिनट में तय हो सकेगी। फिलहाल 2 घंटे लगते हैं।

ब्रिज की कुल लागत 17 हजार 843 करोड़ रुपए है।

ब्रिज को बनाने में करीब 2 लाख मीट्रिक टन स्टील और 5 लाख मीट्रिक टन सीमेंट लगा है। ब्रिज पर प्रतिदिन 70 हजार वाहन गुजर सकते हैं।

ब्रिज पर 400 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

पक्षियों की सुरक्षा के लिए ब्रिज पर साउंड बैरियर लगाए गए हैं।

ब्रिज पर एडवांस लाइटिंग की गई है। इससे लाइट्स का फोकस सिर्फ ब्रिज पर पड़ेगा। समुद्री जीवों का नुकसान नहीं होगा।

रमन सिंह ने की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से सौजन्य मुलाकात

रायपुर/दिल्ली,11 जनवरी 2024(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से सौजन्य मुलाकात की। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष ने पोस्ट में बताया, आज नई दिल्ली प्रवास के दौरान जगदीप धनखड़ जी के साथ सौजन्य मुलाक़ात कर उनसे आत्मीय संवाद किया। इस मुलाक़ात के दौरान माननीय उपराष्ट्रपति जी को छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रबोधन कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया।

कातिल सीईओ मां ने अपने बेटे की हत्या क्यों की ?

चौंकाने वाला अपडेट सामने आया

बेंगलुरु,11 जनवरी 2024 (ए)। यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कंपनी की सीईओ सूचना सेठ मामले में पुलिस की तहकीकात जारी है। अब खबर है सूचना की तरफ से जांच में खास सहयोग नहीं मिल रहा है। साथ ही वह इस घटना से दुखी भी नजर नहीं आ रहीं। हालांकि, इसे लेकर पुलिस की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। सूचना और वेंकटरमन के बेटे के शव को बुधवार को दफना दिया गया।

एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि सूचना ने बेटे की हत्या में शामिल होने की बात से साफ इनकार कर दिया है। साथ ही वह जांच में भी सहयोग नहीं कर रही हैं। सूत्रों ने आगे बताया कि सूचना को बेटे की मौत पर कोई पछतावा नहीं है। खबर है कि उन्हें गुरुवार को मेडिकल के लिए ले जाया जाएगा। फिलहाल, सूचना को 6 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

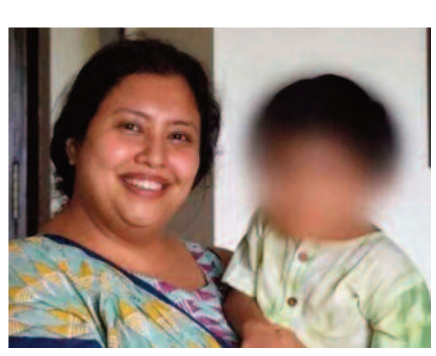

अब तक सूचना यह भी नहीं बता सकी हैं कि आखिर उन्होंने खुदकुशी की कोशिश क्यों की थी। कहा जा रहा है कि उनके हाथों पर काटे जाने के निशान पाए गए हैं। पुलिस का मानना है कि हत्या के बाद सूचना ने भी जान देने की कोशिश की है। जांच के दौरान गोवा के सर्विस अपार्टमेंट से कफ सिरप की दो शीशियां भी मिली हैं, जिनके चलते आशंका जताई जा रही है कि हत्या की योजना पहले ही तैयार कर ली गई थी।

बुधवार को बेंगलुरु के हरीशचंद्र घाट श्मशान भूमि पर मासूम को दफन कर दिया गया। अंतिम संस्कार सूचना के पति वेंकटरमन ने किया। पीएम रिपोर्ट से पता चला है कि बच्चे की हत्या कपड़े या तकिए से दबाकर की गई थी। उसकी मौत की वजह गला घोंटना बताई जा रही है। खास बात है कि शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं थे, लेकिन गले पर पड़े दबाव की वजह से नसें सूज गई थीं। पीटीआई भाषा के मुताबिक, पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपराध में शामिल होने से इनकार किया है और दावा किया कि जब वह सोकर उठी तो बच्चा मर चुका था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमें उसकी बातों में विश्वास नहीं है। जांच से बच्चे की हत्या के कारण का पता चलेगा। फिलहाल हमें पता है कि उसके और उसके पति के बीच अनबन चल रही थी जिसकी वजह से उसने ऐसा किया होगा।'

दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट वाले देशों की सूची में बढ़ा भारत का कद

रायपुर/दिल्ली,11 जनवरी 2024 (ए)। भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है और अपनी पहचान पूरी दुनिया में बना रहा है। इसी कड़ी में दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट वाले देशों की ताजा सूची जारी हो चुकी है। इस सूची में भारत 80वें स्थान पर है। वहीं, शीर्ष पायदान पर एक नहीं बल्कि 6 देश काबिज हैं। ये देश 194 स्थानों पर अपने नागरिकों को वीजा फ्री एंट्री की ताकत रखते हैं। वहीं भारत का पड़ोसी देश पाकिस्तान की बात करे तो पाक शीर्ष 100 देशों में भी शामिल नहीं है।

2023 में भारत इस लिस्ट में 83वें स्थान था

लिस्ट में भारत को 80वें स्थान पर रखा गया है। नागरिक 62 देशों में बगैर वीजा के यात्रा कर सकते हैं। साल 2023 में भारत इस लिस्ट में 83वें स्थान पर था। लिस्ट में भारत के साथ 80वें स्थान पर उज्बेकिस्तान का नाम भी शामिल है। भारत के एक और पड़ोसी चीन को 62वीं रैंकिंग मिली है और उसके साथ पपुआ न्यू गिनी भी इसी पायदान पर है। 104 देशों की सूची में अंतिम स्थान पर अफगानिस्तान है।

टॉप 5 में ये देश शामिल

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की 2024 की रैंकिंग के अनुसार, पहले पायदान पर फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, सिंगापुर और स्पेन हैं। वहीं, दूसरे स्थान पर फिनलैंड, दक्षिण कोरिया और स्वीडन हैं। इन तीन देशों के पासपोर्टधारकों को 193 स्थानों पर वीजा फ्री एंट्री मिलती है। तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, आयरलैंड और नीदरलैंड्स हैं।

चौथा स्थान पांच देश मिलकर साझा कर रहे हैं। इनमें बेल्जियम, लक्समबर्ग, नॉर्वे, पुर्तगाल और ब्रिटेन का नाम शामिल है। जबकि, पांचवे स्थान में ग्रीस, माल्टा और स्विट्जरलैंड हैं।

यूरोपीय देशों की लंबी छलांग

ताकतवर पासपोर्ट्स के लिहाज से 2024 यूरोपीय देशों के लिए खुशखबरी लेकर आया है। कहा जाता है कि सूची में पहले स्थान के लिए जापान और सिंगापुर के बीच जंग छिड़ी रहती है, लेकिन इस बार कई यूरोपीय देशों ने छलांग लगाने में सफलता हासिल की है। पहले स्थान पर दो एशियाई देशों के साथ चार यूरोपीय देश शामिल हैं।

42 गर्भवती महिलाओं ने 21 अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में लिखा 'राम नाम'

अयोध्या,11 जनवरी 2024 (ए)। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की जोरों-शोरों पर तैयारियां चल रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को गुजरात के सूरत की 42 गर्भवती महिलाओं ने 21 बार राम नाम भक्ति भाव से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में 21 बार 'राम नाम' को लिखा किया। यह अनूठी पहल यह दर्शाती है कि देशभर के विभिन्न हिस्सों में लोग प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान अलग-अलग ढंग से अपनी आस्था प्रकट कर रहे हैं। वहीं, गर्भ संस्कार काउंसलर अमीषा बेन ने 21 बार 'राम नाम' लिखने के महत्व को समझाया। इस पहल

का उद्देश्य भक्ति की भाषा, राम की भाषा और कंपन के माध्यम से बच्चे के आध्यात्मिक और भावनात्मक स्तर को भगवान की ओर मोड़ना है। सतयुग से कलयुग तक, 'राम' कहकर दाह संस्कार किया जाता है. इस प्रकार, इस बात पर जोर दिया गया है कि राम के बिना, आदि और अंत दोनों संभव नहीं हैं। इस उद्देश्य के लिए यह कार्य अत्यंत ईमानदारी से किया गया है।अमीषा बेन ने कहा कि भगवान राम का नाम विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में 21 बार लिखा गया है. यानी कुल 441 (21 × 21) बार. उन्होंने कहा कि संख्या 9 का महत्व अत्यंत शुभ माना जाता है। भगवान राम का जन्मोत्सवरामनवमी भी 27वें नक्षत्र पर पड़ता है, जो 9 का प्रतीक है। गर्भवती महिलाओं में से एक विश्वा बेन ने कहा कि पूरा देश भगवान राम के आगमन का जश्न मना रहा है। हमने अपने बच्चों में राम जैसे गुण पैदा करने और खुशी व्यक्त करने के इरादे से भी राम का नाम लिखा है. मैंने भगवान राम का नाम 5000 बार लिखा है और जब मैंने यह मंत्र लिखा तो मुझे सकारात्मक ऊर्जा महसूस हुई।

साइकिल से 2000 किमी का सफर तय कर रामनगरी पहुंचा रामभक्त सहदेव

अयोध्या,11 जनवरी 2024 (ए)। आगामी 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा है। इससे लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। इसी बीच खबर मिली है की प्रभु श्रीराम की लगन इस कदर लगी कि दो माह में 2000 किमी से अधिक दूरी साइकिल से तय करके रामनगरी पहुंच गए। मन में आस्था की हिलोरें संग गुजरात के युवा सहदेव यश पटेल साइकिल से अयोध्या पहुंचे। साइकिल पर भगवा ध्वज धारण किए सहदेव की हर पैडिल पर मुख से जय श्रीराम का उद्घोष निकलता रहा और आस्था के पथ पर उनके पांव कहीं नहीं डिगे। उनका मामना है कि 500 वर्ष के बाद ऐसा रामयुग आया है जिसका साक्षी बनने के लिए बिना न्यौते के रामनगरी पहुंच गया।गुजरात के सहदेव के मन में राम दर्शन की

धुन सवार हुई और 14 नवम्बर को साइकिल से बिना पैसे के घर से निकल पड़े। सहदेव हरिद्वार स्नान के बाद उज्जैन, मथुरा, भोलेश्वरनाथ होकर रामनगरी पहुंचे। इन्होंने विश्राम के लिए मंदिरों को ही ठिकाना बनाया और रात्रि विश्राम के बाद पुन साइकिल से अगले पड़ाव के लिए निकल पड़ते थे। सहदेव की मानें तो इन्हें बिना पैसे के बाद भी राह में कोई बाधा नहीं आई। उन्होंने बताया कि ऐसे युग की उम्मीद नहीं थी कि जीवन में राम मंदिर देखने को मिलेगा, भगवान राम ने सपने को जीते जी पूरा कर दिया। प्रभुराम के दर्शन के बाद पुन गुजरात के लिए वापसी होगी। इसी तरह अयोध्या हाईवे पर ही हाथ में तिरंगा और भगवा ध्वज साथ लिए अमरोहा जिले के काकाखेड़ निवासी उबरपाल सिंह राजपूत पैदल चले आए। उनका कहना है कि रामलला के दर्शन के बाद वापस चले जाएंगे। अन्य कई शहरों से भी लोग भगवान राम के दर्शन के लिए निकल पड़े हैं। कर्नाटक से भी एक शख्स पैदल राम मंदिर पहुंचने के लिए निकला है।

संपादकीय

तकनीकी आधार पर राहत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि दोषियों को सजा महाराष्ट्र में मिली थी, इसलिए उनकी रिहाई के फैसले का अधिकार महाराष्ट्र सरकार को है, ना कि गुजरात सरकार को। तो गेंद अब महाराष्ट्र सरकार के पाले में पहुंच सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने बिलकीस बानो के मामले में 11 अपराधियों को समय से पहले मिली रिहाई को रद्द करने का फैसला तकनीकी आधार पर लिया। इससे इन मुजरिमों को फिर से रिहाई मिल जाने का रास्ता बंद नहीं हुआ है। जाहिर है, समय से पहले रिहाई से व्यग्र हुए लोगों को इस मामले में फौरी राहत ही मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि दोषियों को सजा महाराष्ट्र में मिली थी, इसलिए उनकी रिहाई के फैसले का अधिकार महाराष्ट्र सरकार को है, ना कि गुजरात सरकार को। तो गेंद अब महाराष्ट्र सरकार के पाले में पहुंच सकती है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और उज्जल भुइयां की पीठ ने फिलहाल इन दोषियों को दो हफ्तों के अंदर जेल अधिकारियों के पास सरेंडर करने का आदेश दिया है। गुजरात सरकार के समय से पहले रिहाई देने के फैसले को लेकर समाज के एक दायरे में गहरी नाराजगी और मायूसी पैदा हुई थी। इसलिए ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

उल्लेखनीय है कि 2008 में मुंबई में महाराष्ट्र स्थित एक अदालत ने इन मुजरिमों को गुजरात में हुए 2002 के गोधरा दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ हुए सामूहिक बलात्कार और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में दोषी पाया था और उन्हें सजा सुनाई थी। बाद में इन 11 दोषियों में से एक ने गुजरात हाई कोर्ट से समय से पहले रिहाई की अपील की। तब गुजरात हाई कोर्ट ने उसकी याचिका को यह कर ठुकरा दिया था कि इस फैसले का अधिकार उसी राज्य के पास जहां सजा दी गई थी। इसके बाद महाराष्ट्र में अपील दायर की गई, जिसे ठुकरा दिया गया। उसके बाद उस अपराधी ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि वह गुजरात सरकार को आदेश दे। सुप्रीम कोर्ट ने मई 2022 में गुजरात सरकार को आदेश दिया कि वो समय से पहले रिहाई की उस अर्जी पर विचार करे। इसके बाद गुजरात सरकार ने सभी 11 दोषियों को रिहा कर दिया। लेकिन अब कोर्ट ने समय से पहले रिहाई के मामले में एक स्पष्ट व्यवस्था दी है। उसने इस मामले में राज्य सरकारों के अधिकार की व्याख्या की है।

व्हॉट्स एप्प

वर्तमान युग में जब से एंड्रॉयड मोबाइल ,डिवाइस और इंटरनेट घर-घर पहुंचा है, हमारी दिनचर्या अति व्यस्त और आसान हो गई है, इंसान का इंसान से जुड़ाव नाम मात्र का रह गया है,हमेशा वह ऑन लाइन रहता है!या यूं कहें तो बेमानी नहीं होगा कि आदमी इस डिवाइस का गुलाम बन गया है!सोते ,जागते उसका ध्यान इसी में रहता है।कहीं जरा सा भी यह आंखों से ओझल हो जाए तो आदमी का व्यवहार ऐसा हो जाता है, जैसे उसकी कोई प्रिय वस्तु या साजन /सजनी दूर हो गया हो !उद्विग्नता की यह स्थिति भयावह तो तब हो जाती है जब मोबाइल की बैटरी बैठ रही हो !मोबाइल में जो प्रमुख प्लेटफार्म हैं ,वे फेसबुक,व्हाट्स ऐप्प, इंस्टाग्राम, यू ट्यूब, गूगल आदि अन्य सोशल मीडिया के ऐप्प होते हैं मगर अधिकांश लोग फेसबुक और वाट्स ऐप्प पर ज्यादा सक्रिय रहते हैं। इसमें भी व्हाट्स ऐप्प का उपयोग अत्यधिक पसंदीदा होता है। इसमें जो सुविधाएं हमें मिलती हैं वे कहीं दूसरे ऐप्प में उपलब्ध नहीं होती।फोटो वीडियो शेयर से ले कर सूचना के आदान-प्रदान का सबसे सुलभ माध्यम है। साथ ही ग्रूप चैटिंग का आनंद लेना हो तो इस एप्प पर लिया जा सकता है!

किसी भी बात को तेजी से फैलाना हो तो लोग आजकल इसी का सहारा लेते हैं।चाहे सत्य घटना हो या झूठ इसी से वायरल या बहू प्रसारित होती है।इसके सकारात्म परिणाम और नकारात्मक दुष्परिणाम भी देखने को मिले हैं। जिसमें सामाजिक विद्वेष से लेकर दंगे हिंसा भड़कते हुए भी कई बार देखे गए हैं । इसीलिए जब ऐसी विपरीत परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं ,तब आप ने देखा होगा कि सरकार इस क्षेत्र में इंटरनेट सेवा को कुछ समय के लिए बाधित कर देती है जिससे कि नकारात्मक सूचनाओं पर रोक लगाई जा सके और स्थिति सामान्य हो सके।आजकल व्हाट्स ऐप्प पर ज्ञान बहुत मिलता है !आपने देखा होगा किसी जमाने में चुटकुले बाजी से मनोरंजन होता था। लोग बाग बसों ट्रेनों में आपस में घुल मिल जाते थे और दोस्ती, रिश्तेदारी हो जाती थी।मगर जब से व्हाट्स ऐप्प आया है ,रील ने अकेले हंसने की शुरुआत कर दी है साथ ही घर -घर में रील के माध्यम से कलाकार पैदा हो गए हैं जो एक्टर बनने के सपने देखा करते थे! वे यहां अपनी खुजली मिटा सकते हैं!सामाजिक ढांचा जो आपसी प्रेम सद्भावना से मजबूत था वह इससे कमजोर होता जा रहा है ,जो हमारे लिए कहीं न कहीं शुभ संकेत नहीं। स्वार्थपरता का विकास होता जा रहा है।आदमी, आदमी से भौतिक रूप से दूर होता जा रहा है उसके प्रेम प्रदर्शित करने की क्षमता या गुण प्रभावित हो रहे हैं सामाजिकता के गुण लुप्त होते जा रहे हैं।आदमी स्मार्ट नहीं मोबाइल स्मार्ट हो गया है जिससे हर उम्र का व्यक्ति प्रभावित हो रहा है। बड़ों में तो मानसिक विकास हो जाता है, मगर बच्चो की स्थिति हर-घर में इतनी बदतर हो चली है कि बच्चे इसके बिना खाना भी नहीं खाते। दो साल का बच्चा मोबाइल को ऐसे चलाता है ,जैसे वह गर्भावस्था में ही सारे फंक्शन सीख कर ही पैदा हुआ है। अश्लील वीडियो,संदेशों ने पूरे सामाजिक ढांचे को तहस-नहस करने की पूरी तैयारी कर ली है। बच्चे अपनी उम्र से बड़े होने का संकेत दे रहे हैं,जरा जरा सी बात पर हिंसक प्रवृत्ति का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। युवा वर्ग में नैतिकता का ह्रास होता जा रहा है माता पिता इन स्थितियों को नियंत्रित करने के उपाय न मिलने पर अवसाद में जीवन जीने को बाध्य हैं! सरकार और अंबानी अपने खजाने को बढ़ाने में मस्त हैं!इस अंधी दौड़ का अंत कहां होगा इसका उत्तर खोजने में मैं भी प्रयास रत हूं आप भी प्रयास करिए ताकि दुनिया में आपसी प्रेम सौहार्द्र के खूबसूरत झरने जीवित हो सकें। अभी बहुत से सकारात्मक और नकारात्मक पहलू पर रोशनी डालनी शेष है जो अगले लेख में आपसे रूबरू होने पर लिखूंगा क्योंकि यह लेख भी काफी लंबा हो रहा है।लेख लंबा हो जाने पर निरसता आने लगती है।

पंकज शर्मा तरुण
मोती महल,गायत्री नगर
पिपलिया मंडी मध्य प्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

स्वामी विवेकानंद : युवाओं के प्रेरणास्रोत

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

वर्तमान परिवेश में समाज में चारों तरफ अपराधों तथा भ्रष्टाचार का जो मकड़जाल फैल चुका है, वह घुन बनकर न सिर्फ देश को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है बल्कि युवा वर्ग भी भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के इस दूषित माहौल में हताश व निराश है। ऐसे में युवा वर्ग सही मार्ग से न भटके, इसके लिए युवा शक्ति को जागृत कर उसे देश के प्रति कर्त्तव्यों का बोध कराते हुए सही दिशा में प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना और उचित मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में राष्ट्रीय युवा दिवस की प्रासंगिकता बहुत बढ़ जाती है, जो प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर 12 जनवरी को मनाया जाता है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि देश की आजादी की लड़ाई में अपना सब कुछ बलिदान कर लोगों में क्रांति का बीजारोपण करने वाले अधिकांश युवा ही थे। स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, राजगुरू इत्यादि देश के अनेक युवाओं ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने निजी जीवन के समस्त सुखों का त्याग कर दिया था और अपना समस्त जीवन देश के लिए न्यौछावर कर दिया था लेकिन आधुनिक युग में हम स्वार्थी बनकर ऐसे क्रांतिकारी युवाओं की जीवन गाथाओं को भूल रहे हैं और हम सब धीरे-धीरे भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे ही क्रांतिकारी युवा महापुरूषों की जीवन गाथाओं के जरिये देश की युवा पीढ़ी को समाज में व्याप्त गंदगी से बचाकर देश के विकास में उसका सदुपयोग किया जा सके, इसी उद्देश्य से आधुनिक भारत के महान चिंतक, दार्शनिक, समाज सुधारक, युवा सन्यासी स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को ही प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो बहुत कम आयु में अपने विचारों के चलते समस्त जगत में अपनी एक विशेष पहचान बनाने में सफल हुए थे।

स्वामी विवेकानंद

के वक्तव्यों का आम जनमानस और खासकर युवाओं के मनोमस्तिष्क पर कितना प्रभाव पड़ता था, इसका उनके शिकागो भाषण से बेहतर उदाहरण नहीं मिल सकता। 11 सितम्बर 1893 को जब शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत उन्होंने 'मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों' के साथ की थी तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही थी। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया था। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। उन्होंने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसंबर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। 4 जुलाई 1902 को इसी रामकृष्ण मठ में ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए।

स्वामी विवेकानंद सही मायनों में युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्त्वि के धनी थे, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। विवेकानंद सदैव कहा करते थे कि उनकी आशाएं देश के युवा वर्ग पर ही टिकी हुई हैं। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में स्वामी जी अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए।

शिक्षा के पथ पर बढ़ते हुए खुशियों के पड़ाव

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उत्तरप्रदेश

शिक्षक अपने शिक्षकीय जीवन में दो स्थितियों से साथ-साथ गुजरता है - सीखना और सिखाना। पर यह उस शिक्षक के लिए ही संभव हो पाता है जो आत्मीयता, मधुरता एवं संवेदना के धरातल पर अवस्थित हो बच्चों के लिए विद्यालय एवं बाहरी दुनिया में उनकी अभिव्यक्ति एवं ज्ञान निर्माण के नित नवीन अवसर एवं जगह तलाशता है। दरअसल अवसरों की यह तलाश उसे विद्यार्थी बनाए रखती है और वह लगातार सीखने की प्रक्रिया से जुड़ा रहता हैं। यह जुड़ाव न केवल शिक्षक के रूप में उसको बेहतर करता है बल्कि बच्चों के साथ आत्मीय और मधुर मैत्रीपूर्ण व्यवहार की ठोस उर्वर जमीन भी तैयार करता है जिस पर बच्चों की नया सीख पाने की खुशी की फसलें लहलहाती हैं, फलती-फूलती हैं। एक अच्छा शिक्षक अपने विद्यार्थियों में न केवल विषय के प्रति ललक व समझ पैदा करता है बल्कि सोचने के नवल रास्ते भी खोलता है। वह बच्चों में अनुमान, अनुसंधान, अवलोकन की सम्यक् दृष्टि विकसित करता है साथ ही उन्हें वैज्ञानिक चेतनायुक्त, पर्यावरणीय संवेदनशीलता, तार्किकता से भी लैस करता है। वह पुरातनपंथी, परंपरागत पथ पर चलने का हामी नहीं होता बल्कि सुविचारित वैज्ञानिक संचेतनायुक्त संवेदनशील रचनात्मक पगडंडियों पर बढ़ने को प्रेरित करता है।

शिक्षा के पथ पर बढ़ते हुए एक शिक्षक के रूप में मेरी यात्रा न केवल समृद्ध सीख भरी रही है बल्कि स्वयं को एक शिक्षक के रूप मे आत्मावलोकन कर शैक्षिक बेहतरी की राह पर अग्रसर करने वाली भी रही है। इस शिक्षकीय यात्रा में तमाम खुशियों भरे पड़ाव मिले जहां ठहर कर मैंने स्वयं की आलोचना कर आगे की सुरभित यात्रा हेतु नये रास्ते खोजे हैं।

इस शैक्षिक यात्रा में मैं अपने अर्जित ज्ञान को लेखों के रूप में व्यक्त करता रहा हूं जो एक शिक्षक के रूप में मेरे जमीनी अनुभवों की अभिव्यक्ति हैं जिन्हें शिक्षकों, बच्चों एवं समुदाय के साथ काम करते हुए हासिल किया है। ये मनोभाव केवल शिक्षा एवं समाज क्षेत्र का विश्लेषण ही नहीं करते बल्कि मूल्यांकन करते हुए सोचने का फलक उपलब्ध कराते हैं। हालांकि जिन मुद्दों या घटनाओं पर लेख लिखे गए हैं, यह बिल्कुल आवश्यक नहीं कि आज भी वही स्थितियाँ होंगी क्योंकि समय के प्रवाह में पुल के नीचे से बहुत पानी बह चुका है। एक दूसरे से सीखना-सिखाना बना रहा। ऐसे ही बच्चों के साथ विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर मीना मंच एवं बाल संसद का गठन कर बात की जाती रही।

हालांकि परिदृश्य में कोई बड़ा परिवर्तन दिखाई नहीं देता है। मुझे मई 2011 से अगस्त 2019 तक ब्लॉक संसाधन केंद्र नरैनी, बाँदा में सह-समन्वयक हिंदी भाषा के पद पर काम करने का अवसर मिला। उस कालावधि में विभिन्न विद्यालयों में नियमित जाना और शिक्षकों, बच्चों एवं अभिभावकों से संवाद की स्थितियाँ बनीं। कभी शिक्षा के मुद्दों पर तो कभी वृहद सामाजिक कार्य व्यवहार पर। इस प्रक्रिया से गुजर कर मैं एक शिक्षक के रूप में लगातार समृद्ध होता रहा हूँ, अर्जित अनुभवों को डायरी में नोट करता रहा जो समय मिलने पर लेख के रूप में विभिन्न समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। 18 नवंबर, 2012 को कुछ रचनाधर्मी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ मिलकर पूर्व माध्यमिक विद्यालय बरेहंडा में स्वप्रेरित मैत्री समूह शैक्षिक संवाद मंच की स्थापना की। मंच का उद्देश्य विद्यालयों को आनंदघर के रूप में बदलाव करना है। विद्यालयों के इस बदलाव में शिक्षकों, बच्चों एवं समुदाय सभी की सहभागिता आवश्यक थी। अलग-अलग संवाद कार्यशाला, गोष्ठियाँ आरंभ की गई। विद्यालय बनें आनंदघर के ध्येय के साथ शैक्षिक संवाद मंच के साथ नियमित मासिक बैठकें, वार्षिक शैक्षिक चिंतन शिविर, विज्ञान यात्राएँ, विज्ञान, भाषा एवं सामाजिक विषय पर कार्यशालाएँ करते हुए शिक्षक-शिक्षिकाओं की क्षमता वृद्धि कर विद्यालय समाज का साहित्यिक, शैक्षिक एवं साँस्कृतिक केंद्र है, यह समाज की संपत्ति है, विद्यालय के प्रति अपनेपन का भाव बने इस दृष्टि से समुदाय के साथ बैठकें कर विद्यालय विकास एवं ग्राम संस्कार के मुद्दों से जोड़ सहयोग लिया गया। मुझे स्मरण है 18 नवम्बर, 2012 को शैक्षिक संवाद मंच की स्थापना के बाद समुदाय को विद्यालय से जोड़ने के लिए पूर्व माध्यमिक विद्यालय बरेहंडा में 24 नवम्बर, 2012 देवोत्थानी एकादशी के अवसर पर विद्यालय को लगभग एक हजार दीपों से सजाया गया। पूरा प्रबंध अभिभावकों एवं समुदाय ने किया। ज्ञान बिखेरने वाला विद्यालय का परिसर प्रकाश से नहा गया। लगा कि जैसे हजारों नन्हे सूरज विद्यालय की भूमि पर उतर आये हों। विद्यालय को दीपों से सजाने का यह सिलसिला चल पड़ा और शैक्षिक संवाद मंच के नेतृत्व में दीपावली से देवोत्थानी एकादशी तक अगले वर्ष 15 विद्यालयों को समुदाय के सहयोग से प्रकाशित किया गया। सरकारी विद्यालयों के प्रति समुदाय की धारणा बदली और विद्यालय के प्रति अपनापन पैदा हुआ। इस राह में रामकिशोर पांडेय, मीरा वर्मा, इंसाफ अली, चंद्रशेखर सेन, विनोद गुप्ता, बलरामदत्त गुप्त (बांदा), दुर्गेश्वर राय (गोरखपुर), आलोक कुमार श्रीवास्तव (चित्रकूट), प्रीति भारती (उन्नाव), ऋतु श्रीवास्तव (हापुड़) विनीत मिश्रा (कानपुर देहात) जैसे शिक्षक हमराही बने। इसका परिणाम था कि विद्यालय आनंदघर बनने की दिशा में बढ़ने लगे। विद्यालय बच्चों के लिए ज्ञान निर्माण की अपनी जगह के रूप में उभरे। बच्चों को विद्यालय आना खुशियों से मिलने जैसा लगने लगा। बच्चों में अपने परिवेश की समझ विकसित हो और चीजों के अवलोकन की क्षमता वृद्धि के साथ विविध दृष्टिकोण से समस्याओं का समाधान कर सकें, मन के भावों को व्यक्त कर सकें, साथ ही सामूहिकता के भाव के साथ कार्य संपादन सीखें, इसके लिए दीवार पत्रिका का प्रकाशन आरम्भ किया। दीवार पत्रिका के नामकरण से लेकर विषय-वस्तु के चयन, संपादन एवं प्रकाशन का पूर्ण उत्तरदायित्व बच्चों का ही रहा। इससे बच्चों में बड़े सकारात्मक परिवर्तन देखे गये। बच्चों की रचनाएं एकलव्य, भोपाल की पत्रिका चकमक में छपने लगीं। दीवार पत्रिका पर कार्य करते हुए शिक्षक के रूप में नयी समझ बनी। राजेश उत्साही, भोपाल तथा महेश चंद्र पुनेठा, पिथौरागढ़ जैसे साथियों का सान्निध्य मिला। मुझे याद आता है कि दीवार पत्रिका का एक अंक लोकगीत विशेषांक के रूप में निकाला। उन लोकगीतों को जिन्हें पिछड़ेपन की निशानी समझ बच्चे हेय दृष्टि से देखते थे, उस अंक पर काम करते हुए लोक-संस्कृति के महत्व से परिचित हुए और दर्जनों लोकगीत कंठस्थ किए। नागपंचमी, मकरसंक्रांति होली, दीवाली आदि सामाजिक त्योहार स्कूल में मनाया जाना आरम्भ हुआ। दीवार पत्रिका के अंक गांव के प्रमुख स्थानों-चौपालों पर लगायें जाने लगे ताकि समुदाय अपने बच्चों की प्रतिभा से परिचित हो सके, साथ ही बच्चों की अपेक्षाओं से भी।

शिक्षा के पथ पर बढ़ते हुए विद्यालयों में बच्चों के चेहरों पर खुशियों की लहरें देख प्रसन्नता होती कि जिस रास्ते पर कदम बढ़ा रहा हूं वह उचित है। आज भी रुका नहीं हूं, शिक्षा के पथ पर अविराम अनथक बढ़ रहा हूं ताकि बच्चों की हथेलियों पर दमकते जुगनू उतार सकूं, उनके हृदय में परस्पर प्रेम, करुणा, मधुरता, न्याय, विश्वास, मानव मूल्य और सामूहिकता के भाव उत्पन्न कर सकूं। रुका नहीं हूं, चला जा रहा हूं जैसे बहती है कोई नदी, बहता है मलय समीर और बहता है आसमान में हजारों आकृतियां बनाता बादल जिसके पीछे से उग आता है खुशियों का इंद्रधनुष।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

चुनाव में क्या आर्थिकी,माली दशा के मुद्दे होंगे?

पिछले लोकसभा चुनाव की एक खास बात यह थी कि उसमें अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दे चुनावी राजनीति का हिस्सा नहीं थे। चुनाव में व्यापक रूप से राजनीतिक, धार्मिक व राष्ट्रवाद के मसले हावी रहे थे। आमतौर पर जब चुनाव इस तरह के मुद्दों पर होते हैं तब यथास्थिति बनी रहती है। भारत में या दुनिया के दूसरे देशों में भी जब जनता के जीवन से जुड़े मुद्दे उठाए जाते हैं तभी सत्ता बदल की संभावना पैदा होती है। जैसे 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा ने उठाया था। तब महंगाई सबसे बड़ा मुद्दा थी। भ्रष्टाचार का मुद्दा भी था लेकिन उसमें एक पहलू सबसे ज्यादा हावी था काले धन का। कहा जा रहा था कि दुनिया में भारत से भेजा गया चार सौ लाख करोड़ रुपए का काला धन जमा है, जिसे नरेंद्र मोदी जीते तो वापस ले आएंगे और उससे भारत की बरबाद हो चुकी अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकी जाएगी।

लेकिन इसके बाद हुए चुनाव में यानी 2019 में विपक्ष प्रभावी तरीके से यह मुद्दा नहीं उठा सका कि चार सौ लाख करोड़ रुपए का काला धन कहां है? आर्थिक मुद्दों से जनता का ध्यान हट कर दूसरे मुद्दों पर चला गया था। जनता पुलवामा की घटना की बात कर रही थी या उरी व बालाकोट के सर्जिकल स्ट्राइक की चर्चा हो रही थी। राष्ट्रवाद के इन मुद्दों के अलावा देश मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई दर्जनों फैंसी योजनाओं में

अच्छे दिन तलाश रहा था।

पांच साल के बाद एक बार फिर चुनाव आया है तो अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दे नदारद हैं। सब कुछ अयोध्या के राममंदिर, जम्मू कश्मीर के अनुच्छेद 370, संशोधित नागरिकता कानून व राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर की संभावना, काशी की ज्ञानवापी मस्जिद व मथुरा के शाही ईदगाह के सर्वेक्षण और लक्षद्वीप बनाम मालदीव के विवाद पर केंद्रित दिख रहा है। इन घटनाओं के बीच अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ी खबर आई कि चालू वित्त वर्ष यानी 2023-23 में देश का सकल घरेलू उत्पादन यानी जीडीपी 7.3 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी। ग्रीय सांख्यिकी विभाग ने नए साल के पहले अग्रिम अनुमान के तौर पर यह आंकड़ा जारी किया है। यह आंकड़ा इसलिए अहम है क्योंकि इसका इस्तेमाल सरकार अगले साल का बजट बनाने में करती है। हालांकि अगले साल का पूर्ण बजट चुनाव के बाद आएगा फिर भी चुनाव और अंतरिम बजट से पहले आए इस अनुमान से सरकार को चुनाव के लिहाज से कुछ बड़े फैसले करने का मौका मिलेगा।

ध्यान रहे दुनिया में बहुत कम देश हैं, जिनकी अर्थव्यवस्था छह फीसदी या उससे ज्यादा रफ्तार से बढ़ रही है। भारत उनमें से एक है। दुनिया की जीडीपी में भारत का हिस्सा करीब 15 फीसदी हो गया है। भारत में इस साल चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने और अनुमान से ज्यादा 7.3 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने की खबर सत्तारूढ़ दल के लिए बहुत सुखद संकेत है। लेकिन क्या जीडीपी का यह आंकड़ा देश की अर्थव्यवस्था की सही तस्वीर दिखा रहा है? यह सवाल इसलिए है क्योंकि जब आप इन आंकड़ों की बारीकी में जाएंगे तो कई चिंता में डालने वाली चीजें दिखेंगी। जैसे राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में कृषि सेक्टर की विकास दर 1.8 फीसदी रहने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में यह चार फीसदी रही थी। सोचें, जीडीपी में कृषि सेक्टर का योगदान 15 फीसदी के आसपास है और अब भी सबसे बड़ी आबादी रोजगार और आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है, उस सेक्टर में विकास की दर सिर्फ 1.8 फीसदी है! जब हम आम लोगों के जीवन से जुड़े मुद्दों की बात करते हैं तो एक समस्या यहां दिखाई देती है। भारत के नौजवानों का मन खेती में नहीं लग रहा है और इसलिए लगातार कृषि कार्य से वर्कफोर्स बाहर निकल रही है। परंतु मुश्किल यह है कि दूसरे सेक्टर में नौकरियां पर्याप्त संख्या में नहीं बढ़ रही हैं। गुणवत्ता वाली नौकरियों का तो देश में अकाल हो गया है। इसका नतीजा यह है कि ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट या इंजीनियरिंग, एमबीए की डिग्री वाले नौजवान चपरासी और जू-कीपर की नौकरियों के लिए आवेदन कर रहे हैं।

इसी आंकड़े को बारीकी से देखें तो उसमें यह भी दिखाई देता है कि उपभोक्ता खर्च में विकास दर 4.4 फीसदी है, जो पिछले वित्त वर्ष में 4.5 फीसदी था। इसका मतलब है कि कोरोना वायरस की महामारी के बाद उपभोक्ता खर्च में जो कमी आई थी वह पुराने स्तर पर नहीं लौटी है और निकट भविष्य में उसके लौटने की संभावना भी नहीं दिख रही है। उसका कारण यह है कि गुणवत्ता वाली नौकरियां कम हो रही हैं और पूंजी का केंद्रीकरण चुनिंदा लोगों के हाथ में हो रहा है, जिससे आम लोगों की खर्च करने की क्षमता लगातार कम होती जा रही है। देश में तीन या चार फीसदी के करीब सुपर स्पेंडर हैं यानी खुल कर खर्च करने वाले हैं, जिनकी वजह से अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर दिखाई दे रही है लेकिन वह असली तस्वीर नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था का एक आंकड़ा यह भी है कि 10 लाख से कम कीमत की गाड़ियों की बिक्री ठहर गई है, जबकि एक करोड़ या उससे ज्यादा कीमत की गाड़ियां धड़ल्ले से बिक रही हैं। दिल्ली एनसीआर से लेकर मुंबई, बेंगलुरू तक कम कीमत के मकान बन कर बिना बिके बगैर पड़े हैं, जबकि महंगे अपार्टमेंट की बिक्री हाथों-हाथ हो रही है।

असल में सरकार ने बहुत होशियारी से अर्थव्यवस्था की बड़ी तस्वीर यानी मैक्रो इकॉनोमी का प्रबंधन किया है। ऊंची विकास दर दिखाई दे रही है, महंगाई दर काबू में हो गई है, विदेशी मुद्रा भंडार भरा हुआ है और मीडिया के जरिए यह माहौल बना हुआ है कि चीन से कारोबारियों का मन उचट रहा है तो उनकी पसंदीदा जगह भारत है। इस बड़ी तस्वीर के आगे बाकी बातें दब गई हैं। यह कोई नहीं पूछ रहा है कि मेक इन इंडिया अभियान के बावजूद क्यों भारत का आयात बढ़ता जा रहा है या क्यों सारी दुनिया का पेट भरने के दावे करने के बावजूद एक के बाद एक कृषि उत्पादों के निर्यात पर रोक लगाई जा रही है या क्यों भारत का कर्ज इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि वह जीडीपी के 85 फीसदी तक पहुंच गया है? यह भी नहीं पूछा जा रहा है कि क्यों इतनी बेरोजगारी है या इतनी आर्थिक असमानता क्यों है? क्यों पूंजी का एकत्रिकरण थोड़े से लोगों के हाथों में हो रहा है? ये सवाल न तो आम जनता के विमर्श में हैं और न चुनाव का मुद्दा हैं। अगर आर्थिक मुद्दे और आम लोगों के जीवन से जुड़े मसले चुनाव का मुद्दा नहीं बनेंगे तो चुनाव ऐसे मुद्दों पर होगा, जो जनता के जीवन से जुड़े नहीं हैं और तब यथास्थिति को बदलने का कोई भी प्रयास कामयाब नहीं हो सकता है।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

विस्तार

विस्तार देखकर नभ का सोचूँ,
मैं भी अंबर बन जाऊँ
कभी अपरिमित रत्नाकर के
साथ लहर बन लहराऊँ।
कितना है विस्तार धरा का,
कौन इसे है नाप सका।
कितने गहरे भाव हृदय के,
कौन भला है माप सका।।
उस गहरी उर की नदिया के
तट चिरनिद्रा सो जाऊँ।।
विस्तार देख नभ का सोचूँ,
मैं भी अंबर बन जाऊँ।।
कभी अपरिचित होकर भी वो,
हृदय तलहटी तक जाये।
कभी वेदना में चुपके से
मरहम बन कोई आये।
प्रेम भरी उन आँखों में मैं ,
डूब-डूब कर तर जाऊँ।
विस्तार देख नभ का सोचूँ,
मैं भी अंबर बन जाऊँ।।
नहीं संकुचित मन को रखना,
तुम विस्तार करो मन का।
जिसको मन ने मन से जोड़ा,
मान रखो उस बंधन का।।
नहीं चाह उनको पा लूँ मैं,
उनकी होकर इतराऊँ।
विस्तार देख नभ का सोचूँ,
मैं भी अंबर बन जाऊँ।।

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

यह नरक है

बर्फ में सोचो
फूलों की सुंदरता में
छुपा है वह स्वर्ग...
नरक कहाँ है?
यह मत पूछो
फूलों की सुंदरता
पौधे का स्वाद चखे बिना
उसे चुटकी से काट लें
यह रोना देखना है
मैं हूँ
अगर नरक
आप कैसे हैं?
आप सहमत होंगे?

ओत्तेरी सेल्वा कुमार,
चेन्नई, तमिलनाडु

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद

बारह जनवरी के दिन
इन्होने जन्म पाया
विश्वनाथ जी के घर
बेटा बन कर आया
माता भुवनेश्वरी देवी ने
नरेन्द्र नाम धराया
स्वामी रामकृष्ण परमहंस को
गुरु बनाया।
देश विदेश में घूमकर
धर्म ध्वजा फहराया
भारत की संस्कृति का मान बढ़ाया
सभी युवाओं को उन्होंने जगाया
सही मार्ग पर चलना सिखाया।
भोग विलास न जिसको भाया
योगी सन्यासी बनकर जीवन जिया
दीन दुखियों की सेवा को अपनाया
स्वामी विवेकानंद
आगे चलकर कहलाया।
हिंदू धर्म को सर्वश्रेष्ठ धर्म बताया
इस संदेश को
जन जन तक पहुंचाया
वसुधैव कुटुंबकम को
चरितार्थ किया
भारत के उत्थान को
अपना लक्ष्य बनाया।

श्याम सुंदर साहू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

कोयला खदान फिर से शुरू करने की मांग, ग्रामीणों ने कलेक्टर से की मुलाकात

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

जिले के उदयपुर विकासखंड के सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने सरगुजा कलेक्टर से मुलाकात कर परसा ईस्ट एवं केते बासेन कोयला खदान को पुनः शुरू किए जाने की मांग की है। दरअसल सरगुजा जिले के उदयपुर विकास खंड में हसदेव अरण्य जंगल की कटाई बीते दिनों अडानी कंपनी के द्वारा कॉल खनन को लेकर की गई। इसके विरोध में कई समाजसेवी संस्था सहित कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व डिप्टी टीएस सिंह देव सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता पेड़ों की कटाई और ग्रामीणों के साथ समर्थन में नजर आए थे। वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों का एक तपका यह भी चाह रहा है कि परसा ईस्ट एवं केते बासेन कॉल खदान को पुन- शुरू किया जाए। जिससे की यहां के ग्रामीणों को रोजगार मिल सके

और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। अभी हमें किसी भी तरीके से रोजगार नहीं मिल पाने से काफी परेशान है। इधर सरगुजा कलेक्टर ने कहा कि कॉल खदान को लेकर ग्रामीणों ने आवेदन दिया है।द्य जिसकी जांचकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है की सरगुजा जिले के उदयपुर तहसील में पिछले 10 सालों से परसा ईस्ट कांता बासन कोयला खदान का संचालन किया जा रहा है। इस खदान के संचालन होने से खदान प्रभावित परिवारों के साथ-साथ स्थानीय लोगों का जीवन यापन होता है। ग्रामीणों का कहना था कि वर्तमान में परसा ईस्ट कोयला खदान में खनन से जुड़े काम जमीन उपलब्ध ना होने के कारण खदान बंद होने के कगार पर है। बीते कुछ समय से खदान से बड़ी मशीनों को निकाला जा रहा है साथ ही खदान में काम करने वाले मजदूरों को भी बाहर निकाला जा रहा है। ऐसे में अब इलाके में रोजगार का संकट पैदा हो गया है।

ग्रामीण खदान को निर्बाध रूप से चलाने के लिए कई बार कर चुके है आंदोलन

गौरतलब है की ग्रामीण खदान को निर्बाध रूप से चलने के लिय कई बार आंदोलन कर जिले के कलेक्टर से लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप चुके है। यही नहीं ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने तीन महीने पहले 21 अप्रैल 2023 के साथ साथ 24 अगस्त, 14 जून और 2 जून 2022 को भी राहुल गांधी और प्रदेश के मुखिया को पत्र लिखकर पीईकेबी खदान के सुचारु रूप से संचालन के लिए अनुरोध किया था।

गांधी स्टेडियम में मनेगा मकर संक्रांति उत्सव,उड़ाएंगे पतंग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

मकर संक्रांति पर 14 जनवरी को शहर में वृहद पतग उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारी जोरों पर चल रही है। बता दें कि सरगुजा सेवा समिति द्वारा शहर में पतंग उत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जाता है। इसमे शहर के सभी वर्ग के उत्साही लोग भाग लेते हैं। समिति द्वारा इस वर्ष भी पतंग उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम गांधी स्टेडियम में 14 जनवरी को प्रातः11 बजे से आयोजित होगा।

आयोजन एक प्रतियोगिता के रूप में होगा जिसमें पतंग के आकर्षण व पतंग के काटने पर विजेता का चयन होगा। समिति द्वारा विजेता के साथ-साथ अन्य प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ शहर के गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण में अंबिकापुर चौथे से फिसलकर 27 वें नंबर पर पहुंचा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

भारत सरकार आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आज राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की मौजूदगी में स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के परिणामो की घोषणा की गई। इस परिणाम में नगर निगम अम्बिकापुर नेशनल रैंकिंग में 27वें नम्बर पर पहुंच गया है जबकि पिछले वर्ष तक नगर निगम चौथे नम्बर पर था। भारत सरकार द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण के परिणाम को दो श्रेणी में जारी किया गया है जिसमें पहली श्रेणी 1 लाख से कम आबादी वाले शहर व दूसरा 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहर। स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग में नीचे जाने का मुख्य कारण निगम का 5 स्तर रेटिंग से हटकर 3 स्टार पट पहुंचना है।

स्टार रेटिंग में गिरावट से ननि को 1050 अंकों का नुकसान उठाना पड़ा है। इस बार देश में कराया गया स्वच्छता सर्वेक्षण 9500 अंकों का था। इनमें स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए 4830 अंक, 2500 अंक सर्टिफिकेशन व 2170 अंक सिटीजन फीडबैक के लिए निर्धारित थे। इनमें से नगर निगम को सर्वेक्षण में 4148 नबंर, सर्टिफिकेशन में 1450 वे सिटीजन फीडबैक में 1869 नंबर मील है। सर्वेक्षण के दौरान सबसे ज्यादा नुकसान ननि को सर्टिफिकेशन में ही उठाना पड़ा है और 1050 अंक कटने के बाद निगम को 2 स्टार की रैंकिंग गवानी पड़ी और अब नेशनल रैंकिंग में भी निगम निचले पायदान पर आ गया है।

अब तक की यह है स्थिति

अंबिकापुर नगर निगम स्वच्छ सर्वेक्षण 2017 में दो लाख की जनसंख्या में देश में प्रथम एवं पूरे देश में 15वे स्थान में था। वर्ष 2018 में दो लाख की जनसंख्या में देश में प्रथम, बेस्ट प्रैक्टिस इनोवेशन में देश में अव्वल एवं पूरे देश में 11वे स्थान में था। 2019 में दो लाख की जनसंख्या में देश में प्रथम एवं पूरे देश में 2वे स्थान में था। एवं 5 स्टार रेटिंग से पुरस्कृत किया गया था। 2020, 1 लाख से 10 लाख के जनसंख्या के शहरो में अंबिकापुर अव्वल रहा। 2021 में 1 से 3 लाख में प्रथम एवं देश में पांचवा। 2022 में 1 से 3 लाख में द्वितीय एवं देश में चौथा था ।

कलेक्टोरट परिसर में पार्किंग कार्य में लगीं महिलाओं के बीच गर्म कपड़ों का किया गया वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी सेवा किटी के सदस्यों द्वारा गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। कलेक्टोरेट परिसर में पार्किंग कार्य में लगीं महिलाओं को गर्म कपड़े और मिठाई देकर सम्मानित किया गया। इस कार्य के लिए सेवा किटी की सदस्य सन्तोष पांडेय, वन्दना दत्ता, रेखा इंगोले, संजीता स्वर्णकार, रेखा इंगोले, नमिता चावला, लिलि बसु रॉय, मिलन शर्मा, अलका मिश्रा, रेणुका उपाध्याय, मधु, सुधा तिवारी, अनिता शुक्ला, सुनीता दास, कुसुम जायसवल का सहयोग सराहनीय रहा।

फ्लिपकार्ट से 80 हजार का 2 मोबाइल ऑर्डर कर सहकर्मी के फोन पे से कर दिया पेमेंट,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

ऑनलाइन ठगी के मामले में लखनपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बात करने के नाम पर आरोपी अपने सहकर्मी का मोबाइल मांगकर उसका यूपीआई यूज कर फ्लिपकार्ट से 80162 रुपए का 1 नग एप्पल आईफोन व 1 नग वन प्लस मोबाइल मंगा लिया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार विजय कुमार राजवाड़े पिता रामनंदन राजवाड़े उम्र 25 वर्ष ग्राम जोधपुर थाना लखनपुर का रहने वाला है। इसका स्टेट बैंक का खाना है और मोबाइल नंबर से लिंकअप है। कुछ दिन पूर्व प्रार्थी के मोबाइल में तकनिकी समस्या आने पर जिओ केयर में दिखाने पर कॉल फॉरवर्ड होने की जानकारी दी गई थी। जिसे बाद विजय द्वारा मोबाइल सही कराया गया था। इसी बीच वह अपना खाता चेक कराया तो पता चला की 80162 रुपए का ऑनलाइन शॉपिंग फ्लिपकार्ट के माध्यम से कर लिया गया है। वह मामले की रिपोर्ट लखनपुर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने संदेही भारत पिता मोतीलाल निवासी राजवारपारा थाना लखरपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह ठगी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी व आरोपी दोनों सहकर्मी हैं। आरोपी कुछ दिन पूर्व प्रार्थी का मोबाइल बात करने के लिए मांगा था। इस दौरान आरोपी अपने मोबाइल पर फ्लिपकार्ट से 1 नग एप्पल आईफोन व 1 नग वन प्लस मोबाइल ऑडर कर अपने सहकर्मी का यूपीआई से फोन पे के माध्यम से 80162 रुपए पेमेंट कर दिया था। प्रार्थी का फोन पे का पासवर्ड आरोपी को पूर्व से पता था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक शुभम तिवारी, सहायक उप निरीक्षक संदीप सिंह, आरक्षक जानकी राजवाड़े, देवेंद्र सिंह एवं पुलिस टीम सक्रिय रही।

हिन्दी भाषा पर व्याख्यान का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)। ट्रेड यूनियन कौंसिल छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के अवसर पर भारतेन्दु हरिश्चन्द्र हाल स्टेडियम ग्राउण्ड अम्बिकापुर में हिन्दी भाषा पर व्याख्यान माला आयोजित हुयी। आयोजन में महाविद्यालय के प्रोफेसर डा0 विश्वासी एक्का, डा0 नीजाम कुमार, डा0 दीपक सिंह तथा प्राचार्य डा0 रिजवानउल्ला ने हिन्दी भाषा पर अपने व्याख्यान दिये । कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रेड यूनियन कौंसिल के प्रांतीय सचिव द्वितेन्द्र मिश्र ने की।

व्याख्यानमाला में हिन्दी भाषा की उपादेयता पर अनेक सारगर्भित विचार आये। सभी का विचार था कि न्यायालीन निर्णय हिन्दी में लिखे जायें ताकि वंचितो को न्याय का सिद्धांत फ्लीभूत हो सके। इसी तरह बैंक, इश्योरेंस कंपनी तथा अन्य संस्थाओं के एग्रीमेंट, अनुबंध पत्र तथा दस्तावेज हिन्दी भाषा में निष्पादित हो ताकि आम आदमी उनकों समझ सके। इसी तरह हिन्दी भाषा से संबंधित अन्य गंभीर विषयों पर चर्चा हुई।

आयोजन में बड़ी संख्या में हिन्दी प्रेमियों ने भाग लिया। जिनमें पार्षद प्रमोद चौधरी, रूपा अम्बस्ट, श्वेता गुप्ता,श्वेता सिन्हा, ललिता पाण्डेय,प्रकाश कश्यप, दिनेश गर्ग, ममता मंजू यादव, संगीता यादव, संध्या सोनी, रंजीत सारथी, अनुप टेकाम, पूरन सिंह, शिव कुमार सिंह, विरेन्द्र सिन्हा, चन्द्रप्रभा अम्बस्ट, आशा पोया, रूबी जैन,दीक्षा गर्ग, पंकज सिन्हा,दशरथ गुप्ता, हरिनाथ सिंह हनुमान सिंह, सहित सैकड़ें की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

रसायन शास्त्र के छात्र-छात्राओं को फॉरेंसिक की दी गई जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर की रसायन शास्त्र विभाग के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। रीजनल फॉरेंसिक साइंस लैब का भ्रमण महाविद्यालय के प्राचार्य एवं क्षेत्रीय अपर संचालक उच्च शिक्षा विभाग डॉक्टर रिजवान उल्ला के मार्गदर्शन एवं रसायन शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सरोज तिर्की के निर्देशन में कराया गया।

फॉरेंसिक लैब के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए जॉइंट डायरेक्टर आरके पैंकरा ने

बताया कि फॉरेंसिक का मतलब क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम है जिसके द्वारा विभिन्न प्रकार के अपराधों में सही अपराधी की पहचान की जाती है। उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक लैब का हेड ऑफिस रायपुर में है तथा इसकी पूरे छत्तीसगढ़ में केवल तीन रीजनल ब्रांच है जो कि अंबिकापुर, बिलासपुर एवं जगदलपुर है।

फॉरेंसिक लैब में फिजिक्स लैब, केमिस्ट्री लैब एवं बायोलॉजी लैब है जिसमें विषय से संबंधित जांच की जाती है। सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर कुलदीप कुजूर द्वारा फॉरेंसिक के बेसिक महत्व पर प्रकाश डाला गया उन्होंने बताया कि टॉक्सिकोलॉजी के अंतर्गत विसरा टेस्ट किया जाता है जिसमें डाइजेस्टिव सिस्टम जो की 27 फीट का होता है में स्टमक, रक्त इत्यादि का परीक्षण कर किया जाता है। इसी प्रकार बायोलॉजी ब्रांच में डायटम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु पानी में डूबने से हुई है या पहले मृत्यु हो चुकी है के बारे में बोन मैरो का परीक्षण कर किया जाता है यदि बोन मैरो में डायटमों की पहचान होती है तो मृत्यु पानी में डूबने के बाद होती है और यदि डायटम नहीं मिलती है तो पानी में डूबने के पहले व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी होती है उन्होंने ब्रेन मैपिंग, वॉइस एनालिसिस आदि पर भी विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर रसायन शास्त्र विभाग की विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर सरोज तिर्की विभाग के प्राध्यापक संदीप कुशवाह, प्राध्यापक शशि कला सनमानी, कुमारी गीतांजलि कुशवाहा पीएस भगत, एसके सिंह एवं विभाग के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विधायक के गृह ग्राम में भव्य अक्षत कलश यात्रा निकली

ध्वज के साथ विधायक भूलन सिंह भी हुए शामिल

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

प्रेमनगर विधायक के गृह ग्राम पटना में बुधवार को अक्षत कलश यात्रा निकाली गई जिसमें विधायक भूलन सिंह मरावी भारतीय परिधान में ध्वज के साथ शामिल हुये। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री राम की प्रतिमा की भव्य प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी इससे पूर्व अक्षत कलश शोभा यात्रा निकाली जा रही है, इसी क्रम में पटना ग्राम में यह कलश यात्रा निकाली गई इस अवसर पर भगवान श्री राम के नारे से पूरा गांव गूंजायमान रहा।कलश यात्रा विष्णु मंदिर से प्रारंभ होकर पूरे गांव में भ्रमण करते हुए शिव मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई जहां प्रसाद का वितरण किया गया और लोगों को अयोध्या रामलला के दर्शन के लिए आमंत्रित किया गया।भ्रमण के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं अक्षत कलश के साथ शामिल हुई।कलश यात्रा को सफल बनाने के लिए राजकुमार चंद्रा,धर्मपाल सिंह,संत कुमार साहू सक्रिय रहे।

जर्जर सड़क व तिराहे पर लग रही जाम से लोग परेशान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

बनारस रोड से हनुमान मंदिर होते हुए डेयरी फार्म तक जर्जर सडक़ व गांधीनगर मार्ग को जोडऩे वाले तिराहे पर ठेला व ऑटो चालकों काा जमावड़ा से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत निगम आयुक्त से की है। स्थानीय लोगों ने ज्ञापन के माध्यम से निगम आयुक्त को अवगत कराया है कि बनारस रोड़ से हनुमान मंदिर होते हुए डेयरी फार्म तक सडक़ की स्थिति अत्यधिक खराब है साथ ही बनारस रोड को गांधीनगर मार्ग से जोडऩे वाले तिराहे पर ठेला एवं ऑटो चालकों का जमावड़ा होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती है और जाम की स्थिति रहती है। इस तिराहे को यदि ठेला और ऑटो मुक्त कर चौक बना दिया जाए तो यातायात सुव्यवस्थित होने के साथ दुर्घटनाओं और जाम से मुक्ति मिल जाएगी। स्थानीय लोगों ने बताया है कि खराब सडक़ के कारण धूल और गड्ढों से आमजनों को बुरा हाल है। स्थानीय घरों और दुकानों की स्थिति धूल के कारण दयनीय हो चुकी है। लोगों ने बताया कि सडक़ काफी पहले ही सैंक्शन हो चुकी है परन्तु नगर निगम के सुस्ती के कारण

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दर्जनों बार स्थानीय पार्षद से निवेदन के उपरांत भी सडक़ का निर्माण नहीं किया जा रहा है। लोगों ने निगम आयुक्त को आग्रह किया है कि तीन दिवस के भीतर उक्त सडक़ का निर्माण एवं तिराहे पर चौक का निर्माण कराएं अन्यथा हम सभी गांधीनगरवासी को बाध्य होकर स्वयं उक्त चौक का निर्माण करना पड़ेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में निशिकांत भगत, धीरेंद्र माथुर, यस के शुक्ला, आरके विश्वकर्मा, मनोज मिश्रा, दिनेश यादव, बीर ब हादुर यादव, विवेक तिवारी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

राष्ट्रपति मुइज्जू के दौरे के बाद बोला ड्रैगन, मालदीव में बाहरी हस्तक्षेप का दृढ़ता से विरोध

बीजिंग,11 जनवरी 2024। भारत और मालदीव के रिश्तों की कथित कड़वाहट के बीच चीन और मालदीव के संबंधों पर भी दुनियाभर की नजरें हैं। दोनों देशों के राष्ट्रपतियों की मुलाकात के बाद 20 से अधिक करारों पर हस्ताक्षर हुए। अब ताजा घटनाक्रम में चीन ने मालदीव के समर्थन में बयान दिया है। चीन ने सख्त संदेश देते हुए कहा है कि वह मालदीव में बाहरी हस्तक्षेप का दृढ़ता से विरोध करता है। राष्ट्रपति मुइज्जू के दौरे के बाद जारी बयान में चीन ने कहा, मालदीव की संप्रभुता और स्वतंत्रता को बनाए रखने में चीन पूरा समर्थन करेगा।

मालदीव-चीन संबंध पर यह बयान ऐसे समय में आया है जब राष्ट्रपति जिनपिंग की नीतियों के समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू की सरकार के तीन मंत्रियों ने हाल ही में पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। बड़बोले मंत्रियों के कारण भारत के साथ कूटनीतिक विवाद में उलझे मालदीव को कई कार्यक्रम रद्द करने पड़े हैं। मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों में भी रोष है। मालदीव का बहिष्कार सोशल मीडिया के टॉप ट्रेंड में शामिल रहा है।

भारत के साथ विवाद के तूल पकड़ने पर मुइज्जू ने मंत्रियों को दोबारा ऐसी टिप्पणी न करने की चेतावनी के साथ निलंबित कर दिया। हालांकि,इसे डैमेज कंट्रोल की कवायद माना जा रहा है। चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और मुइज्जू की बैठक के बाद मालदीव ने कहा, वह वन-चाइना नीति का समर्थन करता है। इस सिद्धांत के प्रति दृढ़ प्रतिबद्ध जताते हुए मालदीव ने साफ किया, दुनिया में एक ही चीन है, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना। ताइवान चीन के क्षेत्र का एक अविभाज्य हिस्सा है। जिनपिंग सरकार संपूर्ण चीन का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र सरकार है जो कानूनी रूप से चल रही है।

मालदीव के मुताबिक वह, चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने वाले किसी भी बयान या कार्रवाई का विरोध करता है। मालदीव ने स्वतंत्र ताइवान को अलगाववादी गतिविधि करार दिया। उसने कहा कि वह ऐसे प्रयासों का विरोध करता है। मालदीव के मुताबिक वह ताइवान के साथ किसी भी प्रकार के आधिकारिक संबंध विकसित नहीं करेगा। चीन का पुरजोर समर्थन करने का वादा करते हुए मुइज्जू ने कहा, मालदीव किसी भी बहाने से चीन के आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप का विरोध और राष्ट्रीय पुनर्एकीकरण की दिशा में चीन के सभी प्रयासों का समर्थन करता है।

अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके,भारत-पाकिस्तान तक कांपी धरती; 6.1 मापी गई तीव्रता

काबुल/इस्लामाबाद, 11 जनवरी 2024। अफगानिस्तान में गुरुवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए। इसका असर भारत और पाकिस्तान तक देखा गया। पाकिस्तान में लाहौर, इस्लामाबाद जैसे शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारत की बात करें तो दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में धरती में कंपन्न महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में जमीन से 220 किलोमीटर गहराई में था।

क्यों आता है भूकंप?

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

क्या है भूकंप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

कैसे मापा जाता है भूकंप की तिव्रता और क्या है मापने का पैमाना?

भूकंप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

फ्लाइट के उड़ान भरने से पहले ही केबिन का दरवाजा खोलकर कूदा यात्री, विमान में मचा हड़कंप

टोरंटो,11 जनवरी 2024। एयर कनाडा की उड़ान में सवार एक यात्री दुबई के लिए उड़ान भरने से पहले ही विमान से कूद गया। यह घटना आठ जनवरी की है, जब यात्री टोरंटो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमान में चढ़ा, लेकिन बाद में अपनी सीट पर बैठने की बजाय केबिन का दरवाजा खोलकर उसमें से बाहर कूद गया।

केबिन का दरवाजा खोलकर बाहर कूदा- वह 20 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरा। इस हादसे में उसे मामूली चोटें आई है। हादसे के बाद क्षेत्रीय पुलिस और आपातकाल सेवाओं को घटनास्थल पर बुलाया गया। एयर कनाडा वेबसाइट के अनुसार, इस घटना के कारण बोइंग 747 के उड़ान भरने में छह घंटे की देरी हुई।

एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, इस मामले की जांच जारी है। सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। उनकी चोट कितनी गहरी है, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। फिलहाल यह भी स्पष्ट नहींहो पाया है कि यात्री की इस हरकत के कारण उसे गिरफ्तार किया जाएगा या नहीं।

16 वर्षीय यात्री ने एक परिवार के सदस्यों पर किया था हमला- इस हादसे के कुछ दिन पहले ही एक 16 वर्षीय यात्री एयर कनाडा की फ्लाइट में एक परिवार पर हमला किया था। इस घटना के कारण अन्य यात्रियों को तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ा था। रॉयल कैनेडियन पुलिस ने बताया कि जब विमान टोरंटो से कैलगरी जा रही थी, तब यह हादसा हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 16 वर्षीय यात्री को अन्य यात्रियों और स्टाफ ने रोकने की कोशिश की थी।

देश में आपातकाल की घोषणा

दंगों में 16 लोगों की मौत के बाद पीएम जेम्स मरापे ने उठाया कदम

पोर्ट मोरेस्बी,11 जनवरी 2024। पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मरापे ने दंगों और लूटपाट में 16 लोगों के मारे जाने के बाद आपातकाल की घोषित कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी कर्मियों और पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। वेतन विवाद के विरोध में भड़के दंगो में राजधानी पोर्ट मोरेस्बी और देश के उत्तर में स्थित लाई में बड़ा नुकसान हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई राज्य प्रसारक एबीसी ने इन दंगों के बारे में जानकारी दी।

मरापे ने लोगों से शांति की अपील करते हुए कहा कि सरकार दंगों के कारणों की समीक्षा कर रही है। देश के पुलिस प्रमुख के साथ-साथ वित्त और राजकोष विभागों के बड़े अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने वेतन कटौती के लिए प्रशासनिक गड़बड़ी को जिम्मेदार ठहराया।

इस वजह से भड़के दंगे

दरअसल, वेतन में कटौती को लेकर बुधवार को सैकड़ों पुलिस अधिकारियों, सैनिकों, जेल कर्मचारियों और लोक सेवकों द्वारा अपनी नौकरी छोड़ने के बाद बुधवार को बड़े पैमाने पर राजधानी पोर्ट मोरेस्बी में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान, देश में अराजकता फैल गई और दंगे भड़क गए। इन दंगों में पोर्ट मोरेस्बी और देश के उत्तर में स्थित लाई 16 लोगों की मौत हो गई।

सामने आए दंगे के वीडियो

राजधानी पोर्ट मोरेस्बी में भड़के इन दंगों के कई वीडियो सामने आए हैं। इनमें राजधानी पोर्ट मोरेस्बी की सड़कों पर हजारों लोगों को दिखाया गया है। इनमें से कई लोग लूटा हुआ माल ले जा रहे हैं। साथ ही शहर के ऊपर काला धुआं छाया हुआ दिख रहा है। पुलिस ने बताया है कि पोर्ट मोरेस्बी में दंगों में नौ लोग मारे गए और सोने और तांबे के खनन वाले देश के उत्तर में स्थित लाई में सात लोग मारे गए।

प्रधानमंत्री ने कही ये बात

इन दंगो को लेकर देश के प्रधान मंत्री जेम्स मरापे ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेस की। इसमें उन्होंने लोगों से शांति की अपील की। साथ ही कहा कि तनाव कम हो गया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस फोर्स लगाई गई है। उन्होंने कहा कि कल पुलिस कर्मियों ने काम नहीं किया। इस वजह से दंगे बड़े पैमाने पर भड़के। वहीं, पोर्ट मोरेस्बी में संयुक्त राज्य दूतावास ने कहा कि पुलिस वापस काम पर लौट आई है। हालांकि अभी भी तनाव व्याप्त है।

मालदीव के राष्ट्रपति ने की चीनी प्रधानमंत्री से मुलाकात, पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा

बीजिंग, 11 जनवरी 2024। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने गुरुवार को चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की। उन्होंने चीनी प्रधानमंत्री ने अपने देश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। बुधवार को मुइज्जू ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं ने 20 समझौतों पर हस्ताक्षर किया। बता दें कि मुइज्जू चीन के पांच दिवसीय दौरे पर हैं, जो शुक्रवार को खत्म होने वाला है।

मालदीव के विकास को लेकर जिनपिंग के साथ चर्चा

अपनी इस यात्रा के दौरान मुइज्जू ने चीनी समकक्ष से ई-कॉमर्स में सहयोग बढ़ाने, राजधानी माले के विकास, एयरपोर्ट के विस्तार और अन्य परियोजनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने मालदीव से चीन तक सीधी विमान और पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के मामलों पर भी बातचीत की।

चीन समर्थक मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू इन दिनों भारत के साथ विवादों में उलझे हुए हैं। दरअसल मुइज्जू सरकार के तीन मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थी, जिसके बाद से भी भारत में मालदीव को बॉयकॉट करने का चलन शुरू हो गया। हालांकि, इस विवाद के बाद मुइज्जू सरकार ने उन तीनों मंत्रियों को निलंबित कर दिया।

निखिल गुप्ता पर लगे आरोपों की विस्तृत जानकारी देने से अमेरिका का इनकार,अदालत में कही ये बात

वॉशिंगटन,11 जनवरी 2024। अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में चेक गणराज्य की जेल में बंद भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर लगे आरोपों की विस्तृत जानकारी देने से अमेरिकी सरकार ने इनकार कर दिया है। अमेरिका ने कोर्ट में कहा कि जब निखिल गुप्ता को न्यूयॉर्क की अदालत में पेश किया जाएगा और उस पर मुकदमा शुरू होगा, तभी उसके खिलाफ लगे आरोपों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। दरअसल अमेरिका में निखिल गुप्ता के वकील ने अदालत में प्रस्ताव पेश कर आरोपों की जानकारी मांगी थी, ताकि वह बचाव की तैयारी कर सकें। निखिल गुप्ता के वकील ने अदालत को ये भी बताया कि चेक गणराज्य की जेल में निखिल गुप्ता के मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। वकील ने दावा किया कि निखिल गुप्ता को लंबे समय तक एकांतवास में रखा जा रहा है। कोर्ट दस्तावेजों में ये भी कहा गया है कि निखिल गुप्ता अंतिम बार साल 2017 में अमेरिका आया था।

निखिल गुप्ता के वकील ने पेश किया प्रस्ताव

निखिल गुप्ता (52 वर्षीय) के खिलाफ बीते साल नवंबर में संघीय अभियोजक ने अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। आरोप है कि निखिल गुप्ता ने भारत सरकार के एक कथित सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर अमेरिका में पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। गुप्ता को बीते साल 30 जून को चेक रिपब्लिक के प्राग में गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद से वह प्राग की जेल में बंद है और अमेरिका द्वारा निखिल गुप्ता के अमेरिका प्रत्यर्पण की कोशिश की जा रही है। निखिल गुप्ता के अमेरिका में वकील जेफ चेब्रोव ने बीती 4 जनवरी को न्यूयॉर्क की सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में एक प्रस्ताव पेश किया।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में निर्णय

» प्रदेश में श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना होगी शुरू

» 22 जनवरी को अयोध्या श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर स्थानीय अवकाश किया घोषित, सरगुजा बना पहला जिला

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़वासियों को दी गई गारंटियों में से एक और गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश में श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना शुरू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

इसी कड़ी में जनभावनाओं को सम्मान और ध्यान रखते हुए सरगुजा जिले में कलेक्टर द्वारा 22 जनवरी को स्थानीय अवकाश भी घोषित किया गया है। कलेक्टर विलास भोस्कर द्वारा जारी स्थानीय अवकाश संबंधी आदेश में सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग-2 के अनुक्रमांक-04 के नियम-8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर सरगुजा द्वारा इस जिले में कैलेंडर वर्ष-2024 के लिए 22 जनवरी 2024 को अयोध्या श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। इसके साथ ही 11 अक्टूबर 2024 दशहरा महाअष्टमी और 10 दिसंबर 2024 को शहीद वीर नारायण सिंह बलिदान दिवस के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

ज्ञातव्य है कि धार्मिक नगरी अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को श्री रामलला के दर्शन कराने हेतु अयोध्या ले जाने की घोषणा की गई है। जिसके परिपालन में श्री रामलला दर्शन योजना शुरू की जा रही है।

कार्यालय कलेक्टर, जिला–सरगुजा (अम्बिकापुर) छ0ग0
// आदेश //

अम्बिकापुर, दिनांक 10/01/2024

क्रमांक 332/सहा0अधि0सा0/2024 ::सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग–2 के अनुक्रमांक–04 के नियम–8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं विलास भोसकर, कलेक्टर सरगुजा इस जिले के लिए निम्नलिखित तिथियों पर कलेण्डर वर्ष–2024 के लिए स्थानीय अवकाश घोषित करता हूँ।

क्रमांक	अवकाश का नाम	दिनांक	दिन
01	अयोध्या श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा	22–01–2024	सोमवार
02	दशहरा (महा अष्टमी)	11–10–2024	शुक्रवार
03	शहीद वीर नारायण सिंह बलिदान दिवस	10–12–2024	मंगलवार

टीप :– कोषागारो/उप कोषागारो के लिए यह अवकाश नहीं होगी।

(विलास भोसकर)
कलेक्टर
सरगुजा

जिले में संचालित 312 बालवाड़ियों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

अंबिकापुर, 11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)। कलेक्टर विलास भोस्कर संदीपान के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों द्वारा गुरुवार को जिले में संचालित 312 बालवाड़ीयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओ का जायजा लिया गया। जिले में सत्र 2022-23 में कुल 159 बालवाड़ी तथा सत्र 2023-24 में कुल 153 कुल बालवाड़ी संचालित है। निरीक्षण के दौरान बालवाड़ीयो में चेकलिस्ट के अनुसार वास्तविक स्थिति की जानकारी लेते हुए समीक्षा की गई। बता दें नई शिक्षा नीति के तहत 5 से 6 वर्ष तक के बच्चो के बेहतर शिक्षा के लिए बालवाड़ी का संचालन किया जा रहा है। इस योजना का मूलभूत उद्देश्य बच्चो को खेल खेल में शिक्षा देना है,जिससे विशेष रूप से पिछड़े,आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चो को बेहतर बचपन की शिक्षा प्रदान की जा सके, ताकि उनके सोचने और समझने की क्षमता का विस्तार हो।

क्या सत्ता किसी दल की हो जुगाड़ बनाकर कुछ अधिकारी ही बार-बार काटेंगे जलवा...अन्य को कभी नहीं मिलेगा मौका?

सुर्खियों में रहने वाले चर्चित अधिकारियों को बनाया गया मंत्रियों का ओएसडी,सत्ता सुख भोगने में माहिर हैं यह अधिकारी

साफ सुथरी छवि वाले अधिकारियों को नए अधिकारियों को नहीं मिला मौका,मौका उन्हीं को जिनके पास पुराना अनुभव,साथ ही सिफारिश

श्याम बिहारी जायसवाल को ओएसडी बतौर मिले आशुतोष पाण्डेय,चिरमिरी बैकुंठपुर एसडीएम बतौर कर चुके हैं काम...

बैकुंठपुर में एक बिल्डर के साथ जमीन फर्जीवाड़ा में भी उक्त अधिकारी का आया था नाम,हस्ताक्षर को अपना नहीं बताकर बच निकले थे खुद

राजनीति में जो परंपरा बन हुई है यह खत्म कब होगी?

राजनीति में जो परंपरा बन हुई है यह खत्म कब होगी ? प्रशासनिक अधिकारियों में भी राजनितिक दल के नेताओ की एक टैग लगा जाता है, वह टैग है किसी पार्टी के समर्थन का, जब सरकार बदलती हैं तो पार्टी के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी बदलते हैं पर एक चीज देखा जाता है वह है की जो प्रशासनिक अधिकारी तेज व मौक परसत होते हैं वह जनप्रतिनिधियों का उपयोग करना भली भांति जानते हैं और मौके के साथ जनप्रतिनिधियों को अपने गिरफ्त में करना भी जानते हैं, जो प्रशासनिक अधिकारी जिस पार्टी का अंदर खाने से समर्थन करता है वह उसे पार्टी के आने पर सुखभोक्ता है और वह सुख होता है अच्छा पद व रुतबा पाने का...पर यह परंपरा सिस्टम के लिए काफी हानिकारक है और सिस्टम को खराब करने के लिए पर्याप्त है, यह परंपरा कब खत्म होगी इसका पता नहीं पर इस बार जब सरकार बदली तो इस बात की चर्चा जरुर थी कि इस बार प्रशासनिक कसावट लाने के लिए फ्रेशर को मौका दिया जाएगा, जो नेताओ का सही सलाह दे सके और सरकार जनता हित में ठीक से काम कर सके, पर ऐसा होता दिख नहीं रहा एक बार फिर जब मंत्रियों के ओएसडी का आदेश आया तो इस बात की चर्चा तेज हो गई और विरोध भी शुरू हो गया।

नियुक्त ओएसडी पुरानी भाजपा सरकार में वर्तमान मंत्री जब विधायक थे उस समय वह एसडीएम थे क्या उसे समय की घनिष्ठता काम आई ?

वैसे तो विरोध सारे मंत्रियों के ओएसडी को लेकर है पर हम इस समय बात कर रहे हैं सरगुजा संभाग के स्वास्थ्य मंत्री के नियुक्त हुए ओएसडी की, नियुक्त हुए तीन ओएसडी में से एक ओएसडी का नाम काफी चर्चा में है और चर्चा में हो भी तो क्यों ना क्योंकि पुरानी भाजपा सरकार में वर्तमान मंत्री जब विधायक थे उस समय वह एसडीएम थे क्या उसे समय की घनिष्ठता आज काम आई? पर विरोध इस बात का भी नहीं है विरोध तो सिर्फ इस बात का है कि यह अधिकारी काफी सुर्खियों में रहने वाले अधिकारी हैं, कोरिया में रहते हुए उनके ऊपर एक बिल्डर के साथ जमीन मामले में नाम सामने आया था मतलब की कहा जाए तो आरोप से घिरे हुए थे, पर इसके बावजूद इन्हें ओएसडी बनाकर क्या साबित करना चाह रहे हैं शासन और क्या संदेश देना चाह रहे हैं यह समझ के पार हैं? भले ही उस आरोप में वह अपने हस्ताक्षर से मुकर कर आरोपों से बच निकले से है पर दागी अधिकारियों में जाने जाते है। यह हम नहीं कह रहे यह तो क्षेत्र में चर्चा का विषय है।

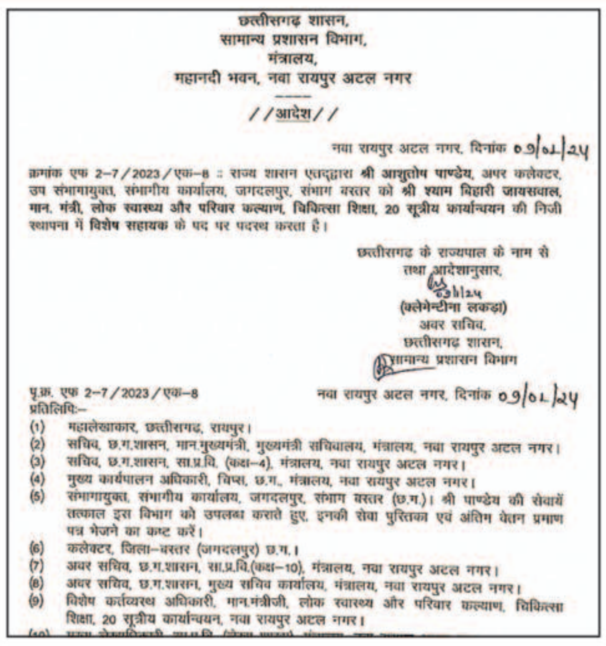

छत्तीसगढ़ शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग,
मंत्रालय,
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

//आदेश//

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 09/01/24

क्रमांक एफ 2-7/2023/एक-8 :: राज्य शासन एतद्द्वारा श्री आशुतोष पाण्डेय, अपर कलेक्टर, उप संभागायुक्त, संभागीय कार्यालय, जगदलपुर, संभाग बस्तर को श्री श्याम बिहारी जायसवाल, मान. मंत्री, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, 20 सूत्रीय कार्यान्वयन की निजी स्थापना में विशेष सहायक के पद पर पदस्थ करता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार,
(क्लेमेन्टीना लकड़ा)
अवर सचिव,
छत्तीसगढ़ शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग

पृ.क्र. एफ 2-7/2023/एक-8 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 09/01/24

प्रतिलिपिः-

(1) महालेखाकार, छत्तीसगढ़, रायपुर।
(2) सचिव, छ.ग.शासन, मान.मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री सचिवालय, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर।
(3) सचिव, छ.ग.शासन, सा.प्र.वि. (कक्ष-4), मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर।
(4) मुख्य कार्यपालन अधिकारी, चिप्स, छ.ग., मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर।
(5) संभागायुक्त, संभागीय कार्यालय, जगदलपुर, संभाग बस्तर (छ.ग.)। श्री पाण्डेय की सेवायें तत्काल इस विभाग को उपलब्ध कराते हुए, इनकी सेवा पुस्तिका एवं अंतिम वेतन प्रमाण पत्र भेजने का कष्ट करें।
(6) कलेक्टर, जिला-बस्तर (जगदलपुर) छ.ग.।
(7) अवर सचिव, छ.ग.शासन, सा.प्र.वि.(कक्ष-10), मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर।
(8) अवर सचिव, छ.ग.शासन, मुख्य सचिव कार्यालय, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर।
(9) विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मान.मंत्रीजी, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, 20 सूत्रीय कार्यान्वयन, नवा रायपुर अटल नगर।

-रवि सिंह-
कोरिया 11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

वर्तमान समय में राजनीति में एक परंपरा सी बन गई है और वह परंपरा है प्रशासनिक अधिकारियों का मंत्रियों से जुड़कर उनका खास बनकर उनकी राजनीति में दखल देना उनके क्षेत्र सहित उनके निर्वाचन क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को आमजनों को उपेक्षित करना उन्हे कहीं न कहीं निर्वाचित जनप्रतिनिधि से दूर करना। आज के परिवेश में प्रशासनिक अधिकारी भी अपने लिए राजनीतिक एक मैदान तैयार करके चल रहे हैं वहीं जैसे ही उन्हे उनके मैदान में खेलने का अवसर मिलता है वह खेलने उतर जाते हैं और फिर ऐसा खेलते हैं की वह अपनी ही स्वार्थ पूर्ति के लीन हो जाते हैं वहीं वह किसी न किसी नेता का राजनीतिक भविष्य भी ले बैठते हैं। प्रशासनिक अधिकारी आजकल अपनी पसंद की सत्ता में मुख्यमंत्री मंत्रियों के करीब रहना पसंद करते हैं जो वह क्यों पसंद करते हैं समझा जा सकता है वहीं यह ऐसे प्रशासनिक अधिकारी होते हैं जिन्हे सुर्खियां भी पसंद है साथ ही अपना हित इसलिए वह जैसे ही उन्हे मौका मिलता है राजनीति में उनके परिचय का कोई निर्वाचित होता है विधायक मंत्री या उसके ऊपर कुछ पद पाता है वैसे ही उसके साथ जुड़कर वह अपना हित साधने में लग जाता है, वहीं वह उन कार्यकर्ताओं उन पार्टी पदाधिकारियों सहित उस क्षेत्र की जनता की भी अनदेखी शुरू करा देता है उस जनप्रतिनिधि मंत्री विधायक से जिसने उन्हें चुना है और फिर क्या जैसा जैसा वह अधिकारी चाहता है वैसा ही होता है, बाकी जन सामान्य के ऐसे काम जो जरूरी हैं जिन्हे पूरा कराने के उद्देश्य से ही जनता ने अपना नेतृत्व चुना है वह अधूरे रह जाते हैं वह ऐसे संलग्न अधिकारियों के आगे पीछे घूमकर ही वह पूरा करने की आस लगाए रहते हैं वह काम कभी पूरे नहीं होते। धीरे धीरे जनप्रतिनिधि से ऐसे ही निराश होकर उनके क्षेत्र के लोग दूर होते जाते हैं और अंत में जब फिर चुनाव का समय नजदीक आता है तब जनप्रतिनिधि को याद आता है की उन्होंने जनता से वादे करके जीत अपनी सुनिश्चित की थी वहीं जितने के बाद उनके और जनता के बीच अधिकारियों की रुकावट थी और फिर उन्हे गलत परिणाम भुगतने तैयार रहना पड़ता है। ऐसा ही कुछ फिर देखने को मिल रहा है वर्तमान भाजपा सरकार में।

राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी संघ के हैं प्रांताध्यक्ष,उच्च अधिकारी भी कहीं न कहीं रहते हैं प्रभाव में,कुछ कहने के लिए करना होता है उन्हे विचार

आशुतोष पाण्डेय राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष हैं क्या इसी कारण उनका प्रभाव प्रदेश के उच्च अधिकारियों पर भी हमेशा रहता है। उन्हे कुछ कहने से उच्च अधिकारी भी परहेज करते हैं क्योंकि वह संघ के अध्यक्ष होने का दबाव अधिकारियों पर डालते हैं और कई बार इसका अनुचित लाभ भी उठाते हैं।

बैकुंठपुर के एक बिल्डर के साथ जमीन मामले में हुए थे बदनाम,जांच में कई बार होना पड़ा था उपस्थित

स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी बनाए गए आशुतोष पाण्डेय बैकुंठपुर एसडीएम रहते हुए एक बिल्डर के साथ जमीन फर्जीवाड़ा मामले में बदनाम हो चुके हैं। मामले में जांच के दौरान आशुतोष पाण्डेय भी अपने बयान के लिए उपस्थित हुए थे और तब वह रायगढ़ नगर निगम आयुक्त थे। जमीन फर्जीवाड़ा मामले में इन्होने उस हस्ताक्षर को ही फर्जी बताकर खुद को बचाया था जिसके आधार पर इनका नाम फर्जीवाड़ा में शामिल हुआ था। हस्ताक्षर को लेकर दिए बयान के बाद यह मामले में बरी हुए थे।

क्या एक बड़े विभाग के मंत्री के साथ जुड़ने कुछ अधिकारी कर्मचारी पहले से सेटिंग कर रखे थे ?

हाल में कुछ मंत्रियों के ओ एस डी और निज सचिव कौन होंगे यह शासन स्तर पर तय हुआ है जिसका आदेश जारी हुआ है और जारी आदेश में मनेंद्रगढ़ विधायक साथ ही स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को जिन अधिकारियों के साथ अब आगे अपनी पारी खेलनी है उनका नाम देखकर यह समझा जा सकता है की किस तरह एक बड़े विभाग के मंत्री के साथ जुड़ने कुछ अधिकारी कर्मचारी पहले से सेटिंग कर रहे थे और भाजपा से शीर्ष नेताओं से संपर्क कर साथ ही संबंधित विधायक मंत्री से मिलकर वह खुद को उनके साथ सेट करने की जुगाड में लगे हुए थे। यह वह अधिकारी और कर्मचारी हैं जो भाजपा शासनकाल में विधायक मंत्रियों के ओएसडी साथ ही निज सचिव रह चुके हैं और इनका व्यवहार आम लोगों के प्रति मंत्री विधायक के साथ रहने के बाद भी ऐसा था की यह कहीं न कहीं जनता की नाराजगी का कारण ही बने चले आए थे और जिनके साथ भी यह अधिकारी कर्मचारी अपना नाम जोड़ पाने में सफल हुए वह दोबारा सफल नही हुए बल्कि उन्हें हार का सामना करना पड़ा। भाजपा जब वर्ष 2018 में सत्ता से बाहर हुई थी तब से लेकर अब तक यह इंतजार में थे और भाजपा की सत्ता में वापसी के साथ ही यह फिर से सक्रिय हुए और अंततः इन्हे सफलता मिली और यह मनेंद्रगढ़ विधायक साथ ही स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी बनने में सफल हो गए। वैसे इसके पूर्व भाजपा शासनकाल में यह उच्च शिक्षा मंत्री के ओएसडी थे और वहां इनका आमजनों से जो व्यवहार था वह कहीं से एक जनप्रतिनिधि के मतों में इजाफा करने वाला नहीं था जो लोगों का ही कहना है। खैर फिलहाल बस्तर में उप संभागायुक्त के पद पर कार्य कर रहे जिस अधिकारी की बात की जा रही है जिन्हे स्वास्थ्य मंत्री का ओ एस डी बनाया गया है उनका नाम आशुतोष पाण्डेय है और वह अब स्वास्थ्य मंत्री के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने वाले हैं।

इसी वर्ष अगस्त माह में मिलना है आई ए एस अवार्ड

सूत्रों से मिलिजानकारी के अनुसार आशुतोष पाण्डेय को इसी वर्ष अगस्त माह में आईएएस अवार्ड होना है। राज्य प्रशासनिक सेवा में चयन उपरांत नियम अनुसार इनको पदोन्नति मिलनी है जिसका समय अगस्त माह में तय है।

कोरिया जिले में रह चुके हैं एसडीएम,चिरमिरी सहित बैकुंठपुर में निभा चुके हैं जिम्मेदारी

बस्तर में उप संभागायुक्त आशुतोष पाण्डेय अपने जुगाड के लिए जाने जाते हैं,सूत्रों का कहना है की वह पहले भी भाजपा शासनकाल में उच्च शिक्षा मंत्री के ओएसडी बनकर काम कर चुके हैं वहीं जैसे ही भाजपा पुनः सत्ता में आई वह फिर जुगाड लगाकर अब मनेद्रगढ़ विधायक साथ ही स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी बनने में सफल हो गए हैं। आशुतोष पाण्डेय कोरिया जिले में अपनी सेवा दे चुके हैं वहीं वह बैकुंठपुर सहित चिरमिरी में बतौर एसडीएम काम कर चुके हैं। उन्होंने इस बार अपने पुराने संपर्क को जुगाड का आधार बनाया है या वह अपने पिछले जुगाड और संपर्क के सहारे स्वास्थ्य मंत्री तक पहुंच पाए हैं यह तो स्पष्ट नहीं है लेकिन माना जा रहा है की जुगाड में माहिर आशुतोष पाण्डेय जुगाड से कुछ भी संभव कर पाने में सफल होते रहे हैं और इस बार भी उनका जुगाड सफल साबित हुआ है और वह स्वास्थ्य मंत्री के साथ अब जिम्मेदारी निभाएंगे साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्र से भी नकलने में सफल हो गए।

अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा में शामिल होने दिया न्योता

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर/पटना 11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

पांच सौ साल के बाद रामलला टेंट से अपने नवनिर्मित मंदिर में प्रतिस्थापित होने का कार्यक्रम 22 जनवरी को आयोध्या में होने जा रहा है। जिसके लिये पूरे देष भर के गांव से लेकर शहरों में रामभक्तों की ललक दिखायी दे रही है। इसी कड़ी में ग्राम टेमरी में अयोध्या से आये अक्षत कलश का घर-घर जाकर वितरण किया गया,साथ ही मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में गांव के हनुमान मंदिर में भंडारा, हरिकीर्तन एवं सार्वजनिक दीपोत्सव के लिये ग्रामीणों को निमंत्रण दिया गया। आयोजन में शामिल अनिल द्विवेदी, अखिलेश द्विवेदी, रितेश दुबे, मुकेश दुबे, धर्मेंद्र कुशवाहा, सच्चिदानंद द्विवेदी, अभिषेक द्विवेदी, राजू पंडो, मिथिलेश यादव, अखिलेश यादव, विवेक यादव, प्रेम कुमार, सूरज, संपत एवं रेखा देवांगन, चांदनी, रोशनी, शिमला, बीफइया, अंजू मुख्य रूप से सम्मिलित हुये। हर घर मंदिर हर मोहल्ला अयोध्या- पूजित अक्षत निमंत्रण पाण्डवपारा में आयोजित कार्यक्रम में मातृ शक्ति द्वारा कलष, झंडा, रामलला की झांकी के साथ बाजागाना करते हुये पाण्डवपारा में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पाण्डवपारा स्थित षिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का पूजा अर्चना कर सर्वप्रथम निमंत्रण दिया गया इसके बाद पूरे 56 माईनस, पुराना बीटाईप, 100 माईनस, मंदिर रोड़, सबस्टेषन होते हुए विराटनगर कॉलोनी, रामनाथ चौक मुख्यमार्ग बाजार पारा न्यू बीटाईप, ऑफिसर कॉलोनी होते हुये हनुमान मंदिर में शोभा यात्रा का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रंजीत मंडल, विनोद जायसवाल के नेतृत्व में उनके सहयोगी के रूप में युवा रामभक्तों के साथ पाण्डवपारा की माताओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

जनपद की सामान्य सभा में बिन बुलाए पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष, सामान्य सभा में हो रहा था क्षेत्रीय विधायक का सम्मान : सूत्र

जनपद पंचायत की सामान्य सभा में बिन बुलाए पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष ने अधिकारियों को लगाई फटकार,आमंत्रित नहीं करने को लेकर जताई नाराजगी:सूत्र

भाजपा की सरकार बनने उपरांत पहली थी सामान्य सभा की बैठक,क्षेत्रीय विधायक मात्र को था आमंत्रण

कांग्रेस शासनकाल में जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया जिलाध्यक्ष कभी नहीं पहुंचे जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में, न ही जताई कभी नाराजगी

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर जनपद पंचायत की सामान्य सभा से जुड़ी एक बड़ी बात समाने आई है जहां भाजपा जिलाध्यक्ष ने सामान्य सभा की बैठक में खुद को नहीं बुलाए जाने को लेकर अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई है और ऐसी किसी पुनरावृति को रोकने का भी निर्देश दिया है। जैसा की बताया जा रहा है की जनपद पंचायत बैकुंठपुर में भाजपा सरकार के गठन उपरांत पहली सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई थी वहीं इस बैठक में नव निर्वाचित बैकुंठपुर विधायक का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया था जहां विधायक खुद पहुंचे हुए थे। इस बैठक में नव निर्वाचित विधायक का सम्मान जनपद पंचायत के अध्यक्ष उपाध्यक्ष जनपद सदस्यों सहित जनपद पंचायत के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा किया जाना था।

ज्ञात हो की जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में नियमानुसार निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को ही बुलाए जाने का प्रावधान है और उसी के परिपालन में जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में विधायक सहित अन्य जनपद पंचायत अंतर्गत निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को ही आमंत्रित किया गया था, वही सूत्रों का कहना है की किसी अन्य को इस कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया था लेकिन बताया जा रहा है की भाजपा कोरिया जिलाध्यक्ष भी बैठक में बिन बुलाए पहुंच गए और उन्होंने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और पुनः इस तरह की किसी पुनरावृति को लेकर चेतवानी दी। वैसे जनपद के ही कुछ लोगों के अनुसार जनपद पंचायत की सामान्य सभा में निर्वाचित जनप्रतिनिधि जो जनपद क्षेत्र के होते हैं जिन्हे त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था अंतर्गत जनता ने चुना होता के अलावा क्षेत्रीय विधायक को शामिल होने की पात्रता होती है वहीं निर्वाचित विधायक अपनी जगह किसी को अपना प्रतिनिधि नियुक्त कर बैठक में भेज सकते हैं शेष किसी अन्य को बैठक में बुलाने की अनिवार्यता नहीं होती है और उसी नियम का पालन करते हुए यह बैठक आयोजित थी जहां निर्वाचित विधायक का सम्मान भी किया जाना था इसलिए पार्टी पदाधिकारियों को नहीं आमंत्रित किया गया था। भाजपा जिलाध्यक्ष फिर भी बैठक में पहुंचे और उन्होंने नाराजगी जाहिर की जिसे लोगों ने अनुचित बताया। वैसे कार्यक्रम फिर भाजपा जिलाध्यक्ष की उपस्थिति में ही संपन्न हुई और विधायक का सम्मान भी किया गया।

कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कभी नहीं जाते थे जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में

पिछले पांच वर्षों तक प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी वहीं इस दौरान भी जनपद पंचायत बैकुंठपुर में जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठकें हुआ करती थी लेकिन कांग्रेस कमेटी कोरिया के जिलाध्यक्ष कभी बैठकों में नहीं जाया करते थे न ही वह कभी नाराजगी जाहिर करते ही सुने गए। माना जा सकता है की उन्हे नियमों का ज्ञान था और वह उसका पालन किया करते थे इसलिए वह बैठकों में नहीं जाया करते थे। बैठक में विधायक या विधायक के प्रतिनिधि ही शामिल होते उस दौरान नजर आए। यह तक की भाजपा का के अन्य जिलाध्यक्ष भी कभी ऐसा करते नहीं देखे गए थे यह पहले जिलाध्यक्ष होगे जो ऐसा करते देखे गए।

एक दिया कौशल्या के राम के नाम छत्तीसगढ़ के भांचा प्रभुश्री राम के नामः रेणुका

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री विधायक रेणुका सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से की अपील

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़ 11 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से प्रदेशवासियों से राम मंदिर उद्घाटन के दिन एक दिया कौशल्या के राम के नाम छत्तीसगढ़ के भांचा प्रभु श्रीराम के नाम जलाने की अपील की है। रेणुका सिंह ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में यह लिखा है कि, प्रभुश्री राम ने छत्तीसगढ़ में जहां से अपने पाँव पखारे, वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम और माता सीता के छत्तीसगढ़ में पहले कदम भरतपुर सोनहत विधानसभा में पड़े। और यह भूमि पुण्य भूमि हो गई। मेरा सौभाग्य है कि, वहां की जनता ने मुझे आर्शीवाद दिया। रेणुका सिंह ने लिखा है कि, जिस मवई नदी को पार कर श्रीराम भगवान ने छत्तीसगढ़ में प्रवेश किया। उस नदी में खेलकर मेरा भी बचपन बीता। छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल है वनवास के दौरान श्रीराम भगवान ने छत्तीसगढ़ में 12 वर्ष बिताए। रेणुका सिंह ने आगे लिखा है कि, 500 वर्षो के अन्तराल के बाद अयोध्या में राम जन्मभूमि पर रामलला 22 जनवरी को विराजने जा रहे है। इन 500 वर्ष के दौरान भारत की करीब 25 पीढ़ियों ने राम मंदिर के मुद्दे पर देश के संघर्ष को देखा। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि हमारे सामने राम मंदिर निर्माण का सपना साकार होने जा रहा है। विधायक रेणुका सिंह ने प्रदेशवासियों व अपने विधानसभा क्षेत्र के परिजनों से यह आग्रह किया है कि, अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं है, अपितु राष्ट्रीय स्वाभिमान के जागरण का उद्घोष भी है। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के साथ ही भारत देश को दुनिया के सामने एक समर्थ शक्तिशाली एवं समृद्ध भारत के रूप में खड़ा करना है। रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए मैं आप सभी से आग्रह करती हूं की 22 जनवरी को अपने घर के बाहर दो दीपक जलायें एक भगवान श्रीराम के नाम और एक राष्ट्र के नाम।

मोदी जी की अपील पर करें अमल

पूर्व केंद्रीय मंत्री व विधायक रेणुका सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशवासियों से की गई अपील पर अमल करने की बात कहते हुए कहा, कि 14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन से अपने आस पास के मंदिरो में स्वच्छता अभियान चलाए। मन्दिर परिसरों को साफ सुथरा रखे। रेणुका सिंह ने कहा, कि 22 जनवरी ऐतिहासिक दिन बनने जा रहा है। प्रभु श्रीराम का स्वागत अपने अपने घरों में दीप जलाकर करे।

CMYK

भू-माफिया शासकीय भूमि को निजी करा प्लाटिंग कर बेच रहे और राजस्व विभाग हाथ पैर हाथ धरे क्यों बैठा है ?

बंशु को आगे कर भू-माफियाओं ने रची है शासकीय भूमि को निजी करने की पूरी कहानी...कहानी में राजस्व विभाग के नजुल अधिकारी का किरदार बड़ा

जमीन का पूरा मामला कमिश्नर व कलेक्टर के संज्ञान में फिर भी आज तक उस जमीन की खरीदी बिक्री में रोक नहीं लग पाई...

चौक चौराहा सहित शासन की स्वीकृत भवन जमीन के अभाव में बनता नहीं पर वही शासकीय भूमि हो जाती निजी कैसे ?

क्या राजस्व विभाग शासकीय भूमि को निजी हाथों में देने के लिए बैठा है?

शासकीय जमीन बचाने की पहल क्यों नहीं करती कोई भी सरकार?

जब शासन को निर्माण करना होता है तो भूमि खोजती है पर वही भू-माफिया शासकीय भूमि खोज कर निजी करा लेते हैं

अंबिकापुर शहर की बेस कीमती जमीन हो गई निजी पर खबर प्रकशन के बाद भी राजस्व विभाग के कानों मे जूं तक नहीं रेंगी

क्या 60 करोड़ की जमीन नामांतरण के मामले में होगी जांच?

घटती घटना | अम्बिकापुर,सोमवार 08 जनवरी 2024 | 8
क्या नए मुख्यमंत्री सरगुजा में हुए भूमि के भ्रष्टाचार का करवायेंगे जांच...

विभाग का ऐसा कमाल की हाईकोर्ट में लंबित है प्रकरण और निर्णय सुना दिया नज़ूल न्यायालय ने

शहर के राजमोहिनी देवी भवन के पीछे 60 करोड़ की जमीन फर्जीवाड़ा के मामले में कार्रवाई की प्रतीक्षा है...इस मामले ने राजस्व व नजूल विभाग के कुछ कर्मचारियों के स्वेच्छारिता की पोल खोल कर रख दी है । जिस बेशकीमती जमीन पर 50 वर्ष बाद कब्जा बताकर नामांतरण कर दिया गया उस जमीन का प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय से फैसला आने से पहले ही स्थानीय स्तर पर चार करोड़ रुपये में सेटिंग कर 60 करोड़ की जमीन का फर्जी तरीके से नामांतरण कर दिया गया। राजस्व व नजूल विभाग के जिन कर्मचारियों ने यह गड़बड़ी की है उनके द्वारा भू-माफिया के रूप में कार्य किया जा रहा है। एक तीसरे व्यक्ति को सामने खड़ा कर बेशक़ीमती जमीन को उसके नाम कर खुद जमीन बिक्री की जा रही है। अंबिकापुर शहर व इसके आसपास के इलाके में पहुंच और प्रभाव के दम पर जमीन फर्जीवाड़ा कमाई का सबसे बड़ा माध्यम रहा है। जमीन के धंधे में कई शासकीय कर्मचारी भी लाल हो चुके हैं। उन्हें किसी कार्रवाई का भी डर नहीं रहता है। यही कारण है कि उच्च अधिकारी भी सब कुछ जानते हुए शांत बैठे हुए हैं। इस मामले में अभी तक प्रशासनिक स्तर पर जांच के आदेश नहीं हुए हैं। नए साल के स्वागत और पुराने साल के विदाई में उच्च प्रशासनिक अमला भी व्यस्त है लेकिन जमीन फर्जीवाड़े के इस मामले में जनहित में जब तक कार्रवाई नहीं हो जाती तब तक इस गड़बड़ी की कहानी सामने लाई जाएगी। शासन को करोड़ों रुपए का नुकसान कर अपनी जेबें भरने वालों को यूं ही नहीं छोड़ा जा सकता। उनकी काली कमाई के चिट्ठे सामने लाकर उच्च प्रशासनिक अधिकारियों को कार्रवाई के लिए मजबूर किया जाएगा।

-भूपेन्द्र सिंह-
अंबिकापुर 11 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

एक समय था जब लोग अपनी निजी जमीन लोगों के भलाई के लिए दान दे दिया करते थे, पर आज का दौर ऐसा है कि लोग शासकीय जमीन को भी अपना जमीन बनाने से बाज नहीं आ रहे और यह सब सिर्फ हो रहा है तो वोट बैंक की राजनीति से जमीन का बढ़ता व्यापार और भूमाफिया की सक्रियता शासकीय भूमि के लिए खतरा बन चुकी है, वहीं भूमि की रक्षा करने वाला विभाग भी अपनी ड्यूटी शासकीय भूमि को बचाने के लिए नहीं शासकीय भूमि को लूटने के लिए करता दिख रहा है,ऐसा इसलिए कहना पड़ रहा है क्योंकि ऐसे कई उदाहरण इस समय देखने को मिल जाएगे। क्या राजस्व विभाग शासकीय भूमि को निजी हाथों में देने के लिए बनाया गया है? यह सवाल इस समय सबसे बड़ा सवाल है, क्योंकि शासकीय भूमि निजी हाथों में जाती दिख रही है और इसके पीछे सबसे बड़ी वजह है निरंकुश राजस्व विभाग,इसके ऊपर किसी का लगाम नहीं है और यह लगाम पिछले 10 सालों से हटा हुआ है क्या वर्तमान सरकार इस मामले पर लगाम लग पाएगी या फिर से पूर्ववर्ती सरकारों के जैसे ही यह चला जाएगा,ऐसा ही एक मामला अंबिकापुर शहर का है जहां सबसे प्रसिद्ध राज मोहिनी देवी कॉलेज के पास की बसें कीमती जमीन भू-माफिया व राजस्व विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों की वजह से निजी हाथों में जाती दिख रही है, अखबार के पन्ने रंगे जा रहे हैं और बताया जा रहा है कि भ्रष्टाचार हुआ है शासकीय जमीन को बचा लीजिए पर शासकीय जमीन को बचाने में राजस्व विभाग बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा ऐसा लग रह है कि निजी हाथों में ही राजस्व विभाग उस बेस कीमती जमीन को देना चाहता है और देकर कर्मचारी अपना पैकेट भरना चाहते हैं।

ज्ञात हो की शासकीय जमीन की हेराफेरी के लिए अंबिकापुर शहर कई वर्षो से बदनाम रहा है। यहां के कुछ राजस्व कर्मचारियों और भू-माफियाओं के बीच तगड़ी सेटिंग किसी से छिपी नहीं है। इसी तगड़ी सेटिंग का परिणाम है कि खसरा नंबर 243/1 में से रकबा 1.710 डिसमिल भूमि स्थित ग्राम नमना कला, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. को फर्जी तौर से नजूल अधिकारी तथा नजूल अधिकारी के लिपिक एवं नमना कला के हल्का पटवारी द्वारा भू-माफियाओं से मिलकर 60 करोड़ रूपये की भूमि का फर्जी तौर से नामांतरण कर 04 करोड़ रूपये की अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा धन उगाही कर भ्रष्टाचार की भेट चढ़ रहा करने के। जिसकी शिकायत भी हुई पर कार्यवाही कब का सवाल आज भी बना हुआ है। ज्ञात हो कि अंबिकापुर शहर के नमनाकला राजमोहिनी देवी के पीछे बेशकीमती जमीन का घोटाला कर दिया गया। नियम विरुद्ध तरीके से 60 करोड़ रूपये की भूमि का फर्जी तौर से नामांतरण कर दिया गया। जिस व्यक्ति के नाम जमीन का नामांतरण किया गया उसका कब्जा कभी भी उस जमीन पर नहीं था लेकिन सूत्रों की माने तो चार करोड़ रूपये की सेटिंग में कुछ कर्मचारियों ने फर्जी तरीके से जमीन का नामांतरण कर दिया। नामांतरण से पहले ही जमीन पर दूसरे लोगों का निर्माण था। राजस्व अभिलेखों में नाम अंकित होते ही संबंधित व्यक्ति ने उक्त जमीन को नियम विरुद्ध तरीके से बेचना भी शुरू कर दिया है। मामले में नजूल अधिकारी कार्यालय के एक लिपिक तथा नमनाकला के हल्का पटवारी की भूमिका संदिग्ध है। मामले की शिकायत मनीष सिंह व कमल सिंह ने कलेक्टर सरगुजा से की है। इस शिकायत के सामने आने के बाद गड़बड़ी में संलिप्त अधिकारी, कर्मचारी बचाव की मुद्रा में आ गए हैं।

शासन को अपने निर्माण कार्यों के लिए नहीं मिल रही भूमि और भू-माफिया शासन की भूमि पर कर रहे कब्जा

शासन से यदि कोई मांग की जाती है ताकि किसी समाज का भला हो सके चाहे उसके लिए भवन हो या फिर स्कूल हो या फिर चौक चौराहे हो जब भी मांग होती है घोषणा भी होती हैं, पर मामला फंस जाता है सिर्फ जमीन के अभाव में,क्योंकि सरकार कहती है की जमीन बताइए कहां है? वही स्वीकृत व घोषणा वाली मांगों को पूरा करने के लिए शासन जमीन नहीं खोज पाती पर शासन की जमीन भू-माफिया खोज कर निजी जरूर कर लेते हैं, आखिर ऐसा कब तक चला आएगा? क्या जब तक की शासकीय पूरी जमीन निजी ना हो जाए? कहीं एक दिन ऐसा ना आए की सरकारी भवन भी निजी हाथ में हो जाए।

क्या भू-माफिया के सामने राजस्व विभाग नासमस्तक ?

बेस कीमती शासन की भूमि को भू माफिया राजस्व विभाग के साथ मिलकर बड़ी चतुराई से किसी को बिना भनक लगे बंशु नाम के व्यक्ति को आगे कर भूमि को निजी कर लिया, अब उसे भूमि को प्लाटिंग कर बेच रहे हैं कई सारे टुकड़े उस में से बेचा जा चुका है और बाकी की बिक्री चालू है, इतने बड़े मामले की शिकायत होने के बावजूद व लगातार खबरों में प्रकाशित होने के बाद जिला प्रशासन इस पर कोई भी कार्यवाही नहीं कर रही, यहां तक की जमीन की खरीदी बिक्री पर भी रोक नहीं लगा है लगातार निर्माण हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि बड़े-बड़े लोग इसके पीछे हैं जिस वजह से प्रशासन भी कार्रवाई करने से डर रहा है।

भूमि सरगुजा स्टेट सेटेलमेंट के अनुसार गोचर मद में थी दर्ज

जबकि उक्त भूमि नगर सीमा से सटी हुई है, जिसके अनुसार वह भूमि राजस्व पुस्तक परिपत्र के अनुसार किसी भी परिस्थिति किसी को 01 वर्ष से के लिए कृषि कार्य से अतिरिक्त पट्टे पर प्रदान नहीं की जा सकती साथ ही यह उल्लेखनीय है कि उक्त भूमि सरगुजा स्टेट सेटेलमेंट के अनुसार गोचर मद में दर्ज है, जिसका किसी भी स्थिति में पट्टा प्रदान नही किया जा सकता है।इन सब तथ्यों को प्रकरण में विद्यमान होने के बाद भी तात्कालीन नजूल अधिकारी ने उक्त विधि विरूद्ध आदेश पारित कर शासन को 60 करोड़ रूपये की क्षति पहुंचाई है जिसकी जांच उच्च स्तरीय स्तर पर कर कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। क्योंकि यह राजस्व पत्रों की हेराफरी कर भू माफियाओं से मिलकर तात्कालीन नजूल अधिकारी तथा उनका लिपिक और नमनाकला का हल्का पटवारी गणेश मिश्रा व राजस्व निरीक्षक नारायण सिंह और भू माफिया के द्वारा किया गया भू घोटाला बताया जा रहा है जिसकी जांच करने से स्पष्ट रूप से पता चलेगा कि किस तरह से राजस्व अधिकारी भू माफियाओं से मिलकर सरगुजा जिले और खास तौर से अंबिकापुर तहसील में भूमि का करोड़ो घोटाला कर रहे हैं।

सार्वजनिक स्थलों में और मुख्य मार्ग पर खुले में धड़ल्ले से चल रही मांस की दुकानें

शिकायत के बाद भी नहीं हो रही कार्यवाही प्रशासन नहीं है सजग

मोहल्ले वासी कर रहे हैं विरोध ग्राम पंचायत बनी है मूकदर्शक

-संवाददाता-
खड़गवां 11 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

सार्वजनिक जगह,सड़क किनारे व धार्मिक स्थलों के सामने खुलेआम मांस-मछली,अण्डा की दुकानें संचालित हो रही हैं। इससे आसपास क्षेत्र का माहौल भी खराब हो रहा है। लोगों का आसपास से गुजरना मुश्किल हो गया है। आसपास के अन्य दुकान वाले के व्यापार पर भी असर पड़ रहा है। कार्रवाई के अभाव में हर रोज खुले में मांस, मछली की दुकान खुल रही हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार कारवाई नहीं कर रहे हैं। सड़क किनारे संचालित दुकानें खुले रूप मछली, अंडे, चिकन की दुकान खोल रखी हैं। हैरानी की बात तो यह है कि इसी के आसपास सामान्य खाद्य सामग्री की दुकानें भी खुली है, जिससे खुले रूप में लोगों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है। शाम होते ही शराबियों का डेरा भी इन मांस,मटन दुकानों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है जहां चखना खाने के लिए बहुत संख्या में शराबी यहां आकर हो हल्ला करते रहते हैं। इससे आसपास का माहौल पूरी तरह से खराब होता है वही इन शराबियों द्वारा गाली गलौज किए जाने के कारण महिलाओं का यहां से गुजरना मुश्किल हो जाता है।

जिसकी बदबू से दिनभर लोगों का बुरा हाल रहता है। अंडे की दुकानें तो कई जगहों पर आसानी से दिख जाएंगी। सामान्य तौर पर जो लोग खाद्य सामग्री लेने रूक जाते हैं, उसी के आसपास अंडे और रूक मांस की भी चल रही हैं।

मुख्य मार्ग के किनारे लोहे की जालियों में ही रखकर मांस बेची जाती है बस स्टैंड के पास ऐसी दुकाने लगती है। नियम के अनुसार मांस तथा मछली की सभी दुकानें पारदर्शी होना चाहिए। यानि मांस या मछली बाहर से राहगीर को दिखाई न दे, ऐसी कांच या दरवाजा लगी होनी चाहिए। दुकानों में तथा आसपास साफ- सफाई की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए। मीट दुकानों में मांस के वेस्ट का प्रबंधन भी नियमानुसार होना चाहिए। इसके अलावा किसी भी धार्मिक स्थल, स्कूल के सामने 100 मीटर की दूरी के भीतर दुकान नहीं होनी चाहिए। जहां सड़क किनारे मांस खुलेआम बेचा जा रहा है यहां से स्कूल की दूरी महज़ 50 मीटर पर है और इसी मुख्य मार्ग से सभी बच्चों को स्कूल जाना होता है। यहां से दुकानदारों को अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की अत्यंत आवश्यकता है क्योंकि आस पास के दुकानदारों के द्वारा भी इसका विरोध किया जा रहा है। इधर सरकार और प्रशासन मांस मटन की दुकानों को मुख्य मार्ग और सार्वजनिक स्थलों से हटाकर अन्यत्र कर रही है और खड़गवां विकास खंड मुख्यालय में मुख्य मार्ग और सार्वजनिक स्थलों पर ये दुकानें लग रही है। मुख्य मार्ग और सार्वजनिक स्थलों पर महिलाएं एवं बच्चे सभी घूमने एवं अन्य सामग्री की खरीदी करने आते हैं है जिन्हें परेशानी का समाना करना पड़ता है। ग्राम पंचायत एवं स्थानीय प्रशासन की इसे किसी विशेष स्थान पर स्थापित करने की प्रमुख जिम्मेदारी है परंतु ग्राम पंचायत एवं प्रशासन के लोग पूरी तरह से मुख बधिर बनकर बैठे हुए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन्हें किसी विषय जगह पर स्थानांतरित किए जाने की आवश्यकता है ताकि उनके व्यवसाय पर भी कोई असर ना आए और वह शांतिपूर्ण अपना आजीविका चला सके इसलिए इन्हें किसी निश्चित स्थान प्रदान किया जाना भी आवश्यक है।

नवपदस्थ कलेक्टर के पदभार संभालते ही नियमों का उल्लंघन कर परिवहन करने वाले वाहनों पर लगाया जा रहा जुर्माना

-संवाददाता-
कोरबा,11 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

नवपदस्थ कलेक्टर के कोरबा जिले में पदस्थापना के 10 दिन के भीतर ही प्रशासनिक कार्यों में कसावट लाने से जो कुछ परिवर्तन देखने को मिल रहा है,वह आम जनता की ओर से प्रशंसनीय है। विगत कई सालों से शहर और जिले की सबसे बड़ी समस्या राखड़ परिवहन में नियमों का उल्लंघन बनी रही है। इस तरफ अनेकों बार खबरों के माध्यम से जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान आकर्षण भी कराया गया, लेकिन अपने दायित्वों के प्रति निष्क्रिय अधिकारी और मैदानी अमले की बदौलत राखड़ परिवहन करने और इस दौरान आमजन की परवाह न करने वाले तथा कहीं भी राखड़ को फेंक कर इंसानों और बेजुबानों के जीवन पर संकट उत्पन्न करने वालों पर कार्यवाही होती नजर नहीं आई। इस लाचारी का कारण क्या रहा यह तो अधिकारी ही समझें लेकिन अब जबकि नवपदस्थ कलेक्टर ने सख्ती बरती है तो अमला नींद से जगा है ,जिसके चलते नियमों को ताक पर रखकर धौंस जमाते हुए सड़कों पर भारी वाहनों को दौड़ने वाले वाहनों को धड़ाधड़ जांच पर जांच कर जुर्माना लगाया जा रहा है। परिवहन विभाग, पर्यावरण विभाग और उड़न दस्ता के द्वारा इस तरह की अनियमितताओं और उल्लंघन को एक वक्त जहां क्लीन चिट दी जाती थी वहीं अब वे कार्यवाही करने को मजबूर हो गए हैं। यह सब सिर्फ प्रशासनिक अधिकारी की कर्तव्य निष्ठा और चुस्त कार्यशैली का प्रमाण है। कलेक्टर अजीत बसंत के निर्देश पर आरटीओ शशिकांत कुर्रे ,एसडीएम कोरबा श्रीकांत वर्मा द्वारा राखड़ परिवहन करने वाले वाहनों पर सघन जांच जारी है। बिना तिरपाल ,बिना रिफ्लेक्टर ,बिना फिटनेस के संचालित राखड़ वाहनों पर कार्यवाही की गई। रात्रि में सड़क किनारे अवैध डंपिंग कर पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले ऐसे वाहन चालकों पर नजर रखी जा रही है जो नियमों को ताक पर रख कर राखड़ परिवहन कर रहे हैं। उड़नदस्ता टीम द्वारा 32 गाड़ियों से 37000 रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। इसके पहले दिन टीम द्वारा 12 राखड़ लोड गाड़ियों पर कार्रवाई 18000 रुपए शास्ति राशि वसूल की गई। जांच और कार्रवाई यह बताने के लिए काफी है कि नियमों का किस कदर उल्लंघन होता रहा है। यदि अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा दिखाई जाती तो इस तरह की नौबत शायद ही आती और ट्रांसपोर्टर भी नियमों से चलते। अब देखना यह है कि कलेक्टर की सख्ती का असर इन अधिकारियों पर कब तक रहता है साथ ही पूरे नियम कायदों का पालन कराते हुए वाहनों को सड़कों पर चलाने के लिए कब तक और किस हद तक सक्रिय रहेंगे?

पुलिस ने बैंकों की सुरक्षा परखने चलाया सरप्राइज चेकिंग अभियान

-संवाददाता-
कोरबा 11 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा जितेन्द्र शुक्ला के दिशा निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अभिषेक वर्मा के मार्गदर्शन में बैंकों में सरप्राइज सुरक्षा आडिट का अभियान चलाया गया है। थाना/चौकी प्रभारीगण उनके थाना क्षेत्र अंतर्गत संचालित बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था जिसमें बैंक में लगे सुरक्षा अलार्म सिस्टम, सीसीटीवी, सुरक्षा गार्ड की जांच, बैंक परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग, बैंक के ग्राहक को वित्तीय फॉड की जानकारी देना शामिल है ।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राम रतन टेकाम रामू टेकाम निवासी सकालो थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (दादी) स्व0 धनेस्वरी आ0 पनय भानू मृत्यु दिनांक 10/03/2005 को स्थान निवास में हुई है। आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 10/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील
तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा (छ.ग.)

संक्षिप्त खेल समाचार

रेप के आरोप में मशहूर क्रिकेटर को 8 साल की सजा

नाबालिग से होटल में किया था रेप

काठमांडू ,11 जनवरी 2024। नेपाल के क्रिकेटर संदीप लामिछाने को नाबालिग से दुष्कर्म के जुर्म में 8 साल की सजा सुनाई गई है। 10 दिन पहले ही संदीप को अदालत ने दोषी ठहराया था। सजा आज सुनाई गई है। 23 साल के संदीप नेपाल क्रिकेट का बड़ा चेहरा रहे हैं और वो इंडियन प्रीमियर लीग भी खेल चुके हैं। संदीप लामिछाने महज 23 साल की उम्र में नेपाल की ओर से 100 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। 2018 में अपने इंटनरेशनल करियर का आगाज करने वाले संदीप ने अब तक खेले कुल 51 वनडे मैचों में 112 विकेट चटकाए हैं। वहीं, टी-20 इंटरनेशनल में यह स्पिन गेंदबाज 52 मैचों में 98 विकेट निकाल चुका है। दुष्कर्म पीड़िता का आरोप था कि लामिछाने ने 2022 में उन्हें 21 अगस्त को काठमांडू और भक्तपुर के विभिन्न स्थानों पर घुमाया। इसके बाद काठमांडू के सिनामंगल के एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया।

डीपीएल ट्रॉफी पर ग्वालियर का कब्जा

भोपाल को 16 रनों से हराया

भोपाल,11 जनवरी 2024। मध्य प्रदेश के मैहर में इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर खेले गए पहले राष्ट्रीय दिव्यांग प्रीमियर लीग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में ग्वालियर ने भोपाल को 16 रनों से शिकस्त देकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। उस्ताद अलाउद्दीन खां स्टेडियम में तीन दिन तक चले डीपीएल का फाइनल मैच ग्वालियर और भोपाल के बीच खेला गया। फाइनल में भोपाल ने टॉस जीतकर ग्वालियर को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।
ग्वालियर ने निर्धारित 15 ओवर में 156 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, ग्वालियर के 157 के लक्ष्य को पाने उतरी भोपाल दिव्यांग टीम 140 रन ही बना पाई और ग्वालियर ने 16 रनों से फाइनल मुकाबला जीत लिया।दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन मध्य प्रदेश और मधुरिमा सेवा संस्कार फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित डीपीएल के समापन समारोह के मुख्य अतिथि सतना के महापौर योगेश ताम्रकार और कार्यक्रम की अध्यक्ष समाजसेवी डॉ. स्वप्ना वर्मा ने विजेता और उप विजेता के साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र रक्षण के पुरस्कार प्रदान किए।

भारत को शूटिंग में रिकॉर्ड 16वां कोटा

टोक्यो में 15 मिला था रिदम का एशियन क्वॉलिफायर में ब्रॉन्ज

जकार्ता,11 जनवरी 2024। रिदम सांगवान ने भारत को शूटिंग में ओलिंपिक का 16 वां कोटा दिलाया। यह शूटिंग में अब तक का सबसे ज्यादा कोटा है। इससे पहले भारतीय शूटरों ने टोक्यो ओलिंपिक 2020 के लिए 15 कोटा हासिल किया था। गुरुवार को एशियन ओलिंपिक क्वालिफायर में 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीत कर कोटा हासिल किया। ओलिंपिक गेम्स इस साल जुलाई में पेरिस में होना है।

रिदम ने फाइनल में 28 स्कोर किया

रिदम ने एशियन ओलिंपिक क्वालिफायर के 25 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 28 का स्कोर कर ब्रॉन्ज मेडल जीता। चीन की यांग जिन ने 41 अंकों के साथ गोल्ड और कोरिया की किम येजी 32 अंकों के साथ सिल्वर जीता।

रिदम का इस चैंपियनशिप में दूसरा मेडल

रिदम एशियन गेम्स में 25 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड जीतने वाली टीम की सदस्य थीं। उनके अलावा इस टीम में ईशा सिंह और टोक्यो ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी मनु भाकर भी शामिल थीं। रिदम का यह दूसरा ब्रॉन्ज मेडल है। इससे पहले उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। जबकि भारत की ही ईशा सिंह ने गोल्ड जीतकर कोटा हासिल किया था। वहीं पाकिस्तान की किशमाला तलत ने उन्हें पछाड़कर रजत पदक हासिल कर लिया था।

एशियन क्वॉलिफायर में भारत का तीसरा कोटा

जकार्ता में चल रहे एशियन ओलिंपिक क्वालिफायर में भारत का यह तीसरा कोटा है। इससे पहले ईशा सिंह और वरुण तोमर ने सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल महिला और पुरुष कैटेगिरी में गोल्ड जीत कर भारत के लिए ओलिंपिक कोटा हासिल किया था।

सबसे ज्यादा कोटा शूटर्स ने हासिल किए

भारत जुलाई में होने जा रहे पेरिस ओलिंपिक के लिए 32 कोटे हासिल कर चुका है। इनमें सबसे ज्यादा 16 प्लेस शूटर्स ने दिलाए हैं। भारत को एथलेटिक्स से 9, बॉक्सिंग से 4, हॉकी, तीरंदाजी और कुश्ती से एक-एक ओलिंपिक कोटा मिले हैं।

8 ओलिंपिक टिकट राइफल शूटर्स ने दिलाए

अब तक भारत को शूटिंग से 16 ओलिंपिक कोटा मिल चुके हैं। इनमें राइफल में 8, पिस्टल में 6 और शॉटगन में 2 ओलिंपिक प्लेस शामिल हैं। रिदम से पहले वरुण, ईशा और सरबजोत सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल, मनु भाकर ने 25 मीटर पिस्टल और अनीश भानवाल ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में ओलिंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।

इस चैंपियनशिप में 16 ओलिंपिक कोटा दांव पर

जकार्ता में चल रही इस प्रतियोगिता में पेरिस ओलिंपिक 2024 के दो कोटा दांव पर हैं। प्रतियोगिता में 26 देशों के 385 निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता में ओलिंपिक कोटा के अलावा, 256 मेडल दांव पर हैं। इनमें 84 गोल्ड, 84 सिल्वर और 88 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

लालरेम्सियामी ने ओलंपिक क्वॉलीफायर के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की तैयारियों पर जानकारी साझा की

रांची,11 जनवरी 2024। भारत की महिला हॉकी टीम की मुख्य फॉरवर्ड खिलाड़ी लालरेम्सियामी ने 13 जनवरी से होने वाले बहुप्रतीक्षित एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 के लिए तैयारी करते हुए टीम की फॉरवर्ड लाइन की तैयारियों के बारे में जानकारी साझा की है। कठोर प्रशिक्षण सत्रों और रणनीतिक अभ्यासों के बीच,लालरेम्सियामी ने अपनी फॉरवर्ड लाइन गतिशीलता को परिष्कृत करने के लिए टीम के सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।
उन्होंने कहा, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 के लिए हमारी तैयारी हमारी फॉरवर्ड लाइन को मजबूत करने पर केंद्रित है। हमने अपने समन्वय को बढ़ाने, अपने कौशल को तेज करने और एक शक्तिशाली हमलावर बल बनाने के लिए अपने आंदोलनों को सिंक्रनाइज़ करने के लिए खुद को समर्पित किया है।सटीकता, समय और अनुकूलनशीलता पर ध्यान देने के साथ, लालरेम्सियामी ने फॉरवर्ड लाइन के भीतर एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ÷प्रत्येक सदस्य मैदान में एक अद्वितीय कौशल सेट लाता है, और हमारा सामूहिक लक्ष्य टूर्नामेंट के दौरान प्रभावशाली अवसर बनाने के लिए अपनी ताकत को सहजता से मिश्रित करना है। लालरेम्सियामी ने कहा, प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र हमारी रणनीतियों को बेहतर बनाने और एक-दूसरे की खेल शैली को समझने में सहायक रहा है। हम मैदान पर बदलाव लाने और टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने के साझा दृढ़ संकल्प से प्रेरित हैं। विशेष रूप से, भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रखा गया है, जबकि पूल ए में विश्व नंबर 5 जर्मनी, पूर्व एशियाई खेलों के चैंपियन जापान, चिली और चेक गणराज्य के साथ एक गहन लड़ाई में शामिल होगा। वर्चस्व के लिए.
सेमीफाइनल क्वालीफिकेशन की तलाश में प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें इंतजार कर रही हैं। अंतिम पुरस्कार ङ्क पेरिस ओलंपिक 2024 का टिकट इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में विजेता बनने वाली शीर्ष तीन टीमों का इंतजार कर रहा है। जैसे-जैसे एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर करीब आया, लालरेम्सियामी ने फॉरवर्ड लाइन की तैयारी पर भरोसा जताया।
उन्होंने आशावादी ढंग से निष्कर्ष निकाला, हम अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने की तैयारी और उत्सुकता के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश कर रहे हैं। हमारा ध्यान पेरिस ओलंपिक में अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए अपनी फॉरवर्ड-लाइन क्षमताओं को अनुकूलित करने पर केंद्रित है।

टीम इंडिया में होगी ईशान किशन की बतौर स्पेशलिस्ट विकेटकीपर वापसी

नई दिल्ली,11 जनवरी 2024। भारतीय युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन जब से अफगानिस्तान सीरीज से ड्रॉप किए गए हैं तभी से वह सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया था कि ईशान को अनुशासनात्मक कारणों से सीरीज से ड्रॉप किया गया है। जिसके बाद टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे खारिज कर दिया था।अब राहुल द्रविड़ के इस बयान के बाद ये सवाल उठने लगे हैं कि, ईशान किशन की वापसी कैसे होगी? ऐसे में एक और रिपोर्ट सामने आई है जिसमें कहा गया है कि ईशान किशन बतौर स्पेशलिस्ट विकेटकीपर इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में वापसी कर सकते हैं। दरअसल, क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, टीम मैनेजमेंट का लक्ष्य केएल राहुल को विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी की दोहरी जिम्मेदारियों से मुक्त करना है। जिसके चलते टेस्ट में ईशान को एक स्पेशलिस्ट विकेटकीपर के तौर पर चुना जा सकता है। हालांकि, टीम इंडिया में वापसी के लिए किशन को डोमेस्टिक क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। ईशान 19 जनवरी को झारखंड बनाम सर्विसेज मुकाबले में खेलते नजर आएंगे।

कलिंगा सुपर कप : चुक्कू अंबरी ने जमशेदपुर एफसी को पूरे अंक दिलाए

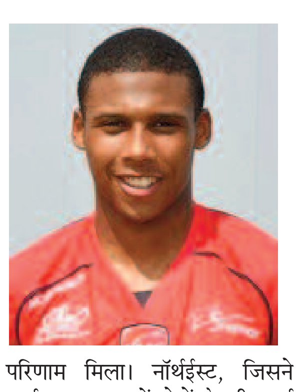

भुवनेश्वर,11 जनवरी 2024। जमशेदपुर एफसी ने पहले हाफ में गोल की कमी को मिटाकर शानदार वापसी की और कलिंगा स्टेडियम में कलिंगा सुपर कप के ग्रुप बी मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 2-1 से हराया। जमशेदपुर एफसी अब ग्रुप बी में केरला ब्लास्टर्स के साथ संयुक्त नेता है, जिन्होंने दिन के पहले मैच में शिलांग लाजोंग एफसी पर अपनी जीत के दम पर तीन अंक हासिल किए। न तो नॉर्थईस्ट और न ही जमशेदपुर इस समय आईएसएल 10 के बीच में शानदार प्रदर्शन का आनंद ले रहे हैं। दोनों ने 12 राउंड के बाद केवल दो-दो मैच जीते हैं।
जब दोनों टीमें मिलीं, तो खेल कभी भी बहुत अधिक ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाया, हालांकि दोनों ने प्रतिद्वंद्वी रक्षा को तोड़ने के लिए सभी प्रयास किए। एक समय में, जमशेदपुर ने पिच पर छह विदेशियों का इस्तेमाल किया, और इससे निश्चित रूप से उन्हें वांछित परिणाम मिला। नॉर्थईस्ट, जिसने आईएसएल 10 में दोनों के बीच हुई भिड़ंत में जमशेदपुर को एक गोल से हराया था, ने 17वें मिनट में बढ़त बना ली, क्योंकि उन्होंने रक्षात्मक चूक का भरपूर फायदा उठाया। जमशेदपुर की रक्षापंक्ति की ओर से एक दोषपूर्ण क्लीयरेंस को नेस्टर एल्बियाच रोजर ने पकड़ लिया और उन्होंने गोल पर एक शॉट लगाया जो डिफेंडर से टकराकर अंदर चला गया। जमशेदपुर ने बराबरी हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास किया और वांछित परिणाम नहीं मिलने के कारण कुछ मौकों पर वे निश्चित रूप से दुर्भाग्यशाली रहे। एक बार स्थानापन्न फ्रांसीसी स्ट्राइकर स्टीव अंबरी ने एक शॉट लिया जिसने गोलकीपर दीपेश चौहान को छका दिया, लेकिन बार से टकराने के बाद वह वापस खेलने के लिए लौटे। डिफेंडर गौरव बोरा ने गेंद को तेजी से क्लीयर करके अच्छा काम किया।
68वें मिनट में आखिरकार जमशेदपुर के लगातार प्रयास का फल मिला। अम्बरी, जिनकी पिच पर मौजूदगी ने साथी फ्रांसीसी जेरेमी मंज़ोरो के साथ बहुत अंतर पैदा किया, ने दाईं ओर से क्रॉस प्रदान करके शानदार काम किया। नाइजीरियाई स्ट्राइकर डैनियल चीमा चुक्कु ने पास का अच्छी तरह से अनुमान लगाया और लक्ष्य हासिल करने के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार किया। अम्बरी आखिरकार 88वें मिनट में जमशेदपुर के लिए मैच विजेता बने।

दिनेश कार्तिक भारत-ए दौरे के लिए इंग्लैंड लायंस के बल्लेबाजी सलाहकार नियुक्त

अहमदाबाद ,11 जनवरी 2024। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को इंग्लैंड लायंस का बल्लेबाजी सलाहकार नियुक्त किया गया है, जो यहां के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 12 जनवरी से भारत-ए के खिलाफ दो दिवसीय अभ्यास मैच के बाद तीन चार दिवसीय मैच खेलेंगे। 2024 की शुरुआत में भारत के खिलाफ इंग्लैंड की पुरुषों की पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के समानांतर चलने के लिए इंग्लैंड लायंस भारत के एक महीने के दौरे पर जाने के लिए तैयार है। अहमदाबाद में आयोजित लायंस भारत ए के खिलाफ दो दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगा, उसके बाद उन्हीं के खिलाफ चार दिवसीय तीन मैच खेलेगा।समूह 12 जनवरी से 4 फरवरी तक यथास्थान रहेगा, जो हैदराबाद में पहला टेस्ट (25 जनवरी से शुरू) और विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट का पहला भाग (2 फरवरी) के साथ मेल खाएगा। मुख्य कोच के रूप में कार्यभार का नेतृत्व इंग्लैंड के पुरुष एलीट पेस बॉलिंग कोच, नील किलीन करेंगे, जिन्होंने पिछले साल लायंस के श्रीलंका दौरे के दौरान अपने नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया था। लायंस के लिए कोचिंग लाइनअप में क्रिकेट विशेषज्ञता की एक प्रभावशाली श्रृंखला है। इस कोचिंग अभियान में किलेन के साथ भारतीय परिस्थितियों की गहरी समझ रखने वाले व्यक्ति शामिल हो रहे हैं।

टी 20 विश्व कप को देखते हुए रोहित और विराट को वापस इस फॉर्मेट में लौटना चाहिए : एमएसके प्रसाद

नई दिल्ली ,11 जनवरी 2024। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए भारत के चयन में सबसे बड़ी चर्चा का विषय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी है।
भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का मानना है कि इस जोड़ी को सबसे छोटे प्रारूप में वापसी करनी चाहिए और कहा कि यह जोड़ी 1-29 जून तक यूएसए और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप खेलने वाली टीम का हिस्सा होगी।
प्रसाद ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मैं समझता हूं कि दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद रोहित और विराट को थोड़ा आराम दिया गया था। मुझे लगता है कि वनडे विश्व कप जैसे बड़े आयोजन के बाद इसकी जरूरत थी। उन्हें उस तरह के ब्रेक की जरूरत थी। इसलिए, उन्हें आराम मिला है। इस बीच युवाओं ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। देखिए, मेरी राय है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि विराट और रोहित टी20 विश्व कप का हिस्सा होंगे, इसलिए उन्हें इस श्रृंखला से खेलना शुरू कर देना चाहिए।
रोहित और विराट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और 2023 में घरेलू धरती पर वनडे विश्व कप की अगुवाई में मौजूद होने के

कारण एक साल से अधिक समय तक टी20 प्रारूप से अनुपस्थित रहे थे, जहां भारत दोनों मौकों पर उपविजेता रहा था।
सवाल उठता है कि वे पिछले टी20 विश्व कप के बाद क्यों नहीं खेले। उनके नहीं खेलने का कारण यह था कि हम वनडे विश्व कप की ओर बढ़ रहे थे, इसलिए हम मुख्य रूप से वनडे मैचों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते थे।
यह पहली बार होगा जब भारत द्विपक्षीय पुरुष टी20 श्रृंखला में अफगानिस्तान का सामना करेगा जिसके मैच क्रमशः 11, 14 और 17 जनवरी को मोहाली, इंदौर और बेंगलुरु में होंगे। टी20 वर्ल्ड कप से पहले यह भारत की यह आखिरी अंतर्राष्ट्रीय सीरीज होगी।
प्रसाद ने कहा, मैं निश्चित रूप से जितना संभव हो सके उतनी मजबूत टीम बनाना पसंद करूंगा। इसका कारण यह है कि आईपीएल में प्रवेश करने और वास्तविक टी20 प्रारूप में आने से पहले ये केवल तीन टी20 बचे हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अफगानिस्तान एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी टीम है और जो भी संभव होगा वह करेगी।
उन्हें यह भी लगता है कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को मेगा इवेंट के लिए भारत की टीम चुनने में काफी परेशानी होगी।

संजय दत्त ने इंडियन आइडल 14 के कंटेस्टेंट को दी जादू की झप्पी

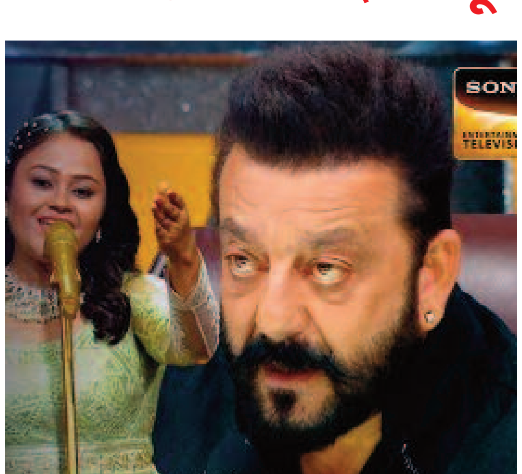

सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल 14 के स्टेज पर पहुंचे एक्टर संजय दत्त ने कंटेस्टेंट पीयूष पंवार को ना मुंह छुपा के जियो और आप के पहलू में आकर रो दिए गाने की परफॉर्मेंस पर स्टैंडिंग ओवेशन और जादू की झप्पी दी। सेलिब्रेटिंग सुनील और नरगिस दत्त नामक विशेष एपिसोड में उनके बेटे संजय दत्त की उपस्थिति देखी गई। ढोल-ताशा के बीच एक्टर ने शो में धमाकेदार एंट्री की।जयपुर के कंटेस्टेंट पीयूष ने 1967 की क्लासिक फिल्म हमराज से ना मुंह छुपा के जियो और फिल्म मेरा साया से आप के पहलू में आकर रो दिए गाना गाया।उनका परफॉर्मेंस इतना प्रभावशाली था कि संजय को उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन देना पड़ा।परफॉर्मेंस की प्रशंसा करते हुए, खलनायक अभिनेता ने कहा, मैं आपकी और यहां उपस्थित सभी कंटेस्टेंट्स की सराहना करता हूं क्योंकि इससे पता चलता है कि हमारे देश में प्रचुर मात्रा में प्रतिभा मौजूद है! मैं वास्तव में इसके लिए इंडियन आइडल को धन्यवाद देना चाहूंगा।इतना ही नहीं, वह पीयूष को बिल्कुल मुन्ना भाई स्टाइल में जादू की झप्पी भी देते हैं।राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित व्यंग्यात्मक कॉमेडी ड्रामा मुन्ना भाई एमबीबीएस में संजय ने मुन्ना भाई का किरदार निभाया था। इसे भारतीय सिनेमा की कल्ट फिल्मों में से एक माना जाता है।

सीरियस रोल्स करते-करते थक गई हूं,ग्रे शेड्स वाली महिलाओं की भूमिका निभाना पसंद : कोंकणा सेनशर्मा

एक्ट्रेस कोंकणा सेनशर्मा डार्क कॉमेडी थ्रिलर सीरीज किलर सूप की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने साझा किया है कि वह गंभीर और अछे किरदार के रोल्स करते हुए थक गई हैं। उन्हें ऐसी महिलाओं के किरदार निभाना पसंद है, जो थोड़ी गैर-जिम्मेदार हैं और उनका ग्रे शेड्स हो।
कोंकणा ने मनोज बाजपेयी स्टारर किलर सूप में स्वाति शेट्टी की भूमिका निभाई है। अभिषेक चौबे द्वारा निर्देशित, सीरीज प्यार, वासना, रोमांच और रहस्य का एक मिश्रण है।
एक्ट्रेस को वेक अप सिड, पेज 3, ओमकारा, लाइफ इन ए... मेट्रो, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का समेत कई अन्य फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है।
कोंकणा ने बताया, जब मैं रोल्स की तलाश करती हूं तो सबसे पहले देखती हूं कि स्क्रिप्ट कैसी है। उसमें किरदार अछे से लिखे जाने चाहिए, निर्देशक भी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।
उन्होंने कहा, मैं ऐसे रोल्स चुनने की कोशिश करती हूं जो मुझे दिलचस्प लगते हैं, क्योंकि मैं सीरियस, अछे दिखने वाली, ईमानदार महिलाओं के रोल्स से थक गई हूं। मुझे ऐसी महिलाओं का किरदार निभाना पसंद है, जो थोड़ी गैर-जिम्मेदार हैं, जिनका ग्रे-शेड्स है, जो अपनी शर्तों पर अपनी इछानुसार जीवन जी रही हैं, इसलिए ये सब मुझे बहुत दिलचस्प लगता है।
किलर सूप के बारे में बोलते हुए, तलवार फेम मशहूर एक्ट्रेस ने कहा कि यह शो दिलचस्प और असामान्य है।
उन्होंने साझा किया, यह थोड़ा थ्रिलर, डार्क कॉमेडी, विचित्र है, एक बहुत ही असामान्य दुनिया पर आधारित है, जिसे हमने स्क्रीन और वेब सीरीज पर यादा नहीं देखा है। इसमें हर चीज का थोड़ा सा हिस्सा है।
तितली फेम एक्ट्रेस ने कहा कि इस रोल से कोई फायदा नहीं है।
कोंकणा ने कहा, बात बस इतनी है कि यह उस तरह की सीरीज है, जिसे मैं देखना पसंद करूंगी। मैं वास्तव में इस बात को लेकर उत्सुक हूं कि दर्शक इसे कैसे देखेंगे, क्या उन्हें भी यह रोमांचक लगता है। यह कुछ ऐसा है जिसने मुझे सचमुच गुदगुदाया, हर स्तर पर मुझे रोमांचित किया।कोंकणा, जो एक निर्देशक और लेखिका भी हैं, एक फिल्म निर्माता के रूप में उनकी झोली में लस्ट स्टोरीज 2 और ए डेथ इन द गुंज जैसे प्रोजेक्ट्स हैं।किलर सूप 11 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

रेड 2 में अजय देवगन के साथ नजर आएंगी वाणी कपूर

बॉलीवुड एक्टर वाणी कपूर रेड 2 में अजय देवगन के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।
एक्ट्रेस को शुद्ध देसी रोमांस, चंडीगढ़ करे आशिकी और वॉर जैसी फिल्मों में उनके एक्टिंग के लिए जाना जाता है।
यह फिल्म 2018 की फिल्म रेड का अगला स ील है। इसमें निर्देशक राजकुमार गुप्ता और निर्माता भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार एक साथ नजर आएंगे।
फिल्म की बड़े पैमाने पर शूटिंग मुंबई, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में होने वाली है।
रेड 2 का निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार ने किया है। यह फिल्म गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ द्वारा प्रस्तुत की गई है और पैनोरमा स्टूडियो प्रोडक्शन है।
यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य

राष्ट्रपति के हाथों मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने ग्रहण किया पुरस्कार

» स्वच्छ सर्वेक्षण में राज्य के साथ ही पांच नगरीय निकायों को भी मिला पुरस्कार

रायपुर,11 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य बन गया है। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में छत्तीसगढ़ को महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के बाद देश के तीसरे सबसे साफ-सुथरे राज्य का दर्जा मिला है। प्रदेश की इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरूण साव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी, सचिव श्री मनोज जोशी और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की निदेशक श्रीमती रूपा मिश्रा भी समारोह में शामिल हुईं। स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य के पांच नगरीय निकायों रायपुर, महासमुंद, कुम्हारी, आरंग और पाटन को भी समारोह में पुरस्कृत किया गया।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने प्रदेश और नगरीय निकायों की इस उपलब्धि पर संबंधित निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, समन्वयकों तथा स्वच्छता दीदियों को बधाई और शभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इनके उत्कृष्ट कार्यों के कारण आज प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित होने का मौका मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य के शहरों को साफ-सुथरा एवं कचरामुक्त रखने के लिए ये आगे भी अपने बेहतरीन कार्यों को जारी रखेंगे और अन्य नगरीय निकायों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेंगे।

छत्तीसगढ़ ऐसे बना देश का तीसरा सबसे स्वच्छ राज्य

शहरों को स्वच्छ रखने प्रदेश में हो रहे लगातार अच्छे कार्यों के कारण छत्तीसगढ़ को देश के तीसरे सबसे स्वच्छ राज्य का दर्जा मिला है। स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणामों के मुताबिक गारबेज फ्री सिटी के अंतर्गत प्रदेश के दो शहरों को फाइव स्टार रेटिंग, 23 शहरों को थ्री स्टार रेटिंग और 47 शहरों को सिंगल स्टार रेटिंग मिला है। राज्य में ओडीफ प्लस प्लस वाले 164, ओडीफ प्लस वाला एक और ओडीएफ वाले तीन शहर हैं। प्रदेश के एक नगरीय निकाय को वाटर प्लस का दर्जा मिला है।महासमुंद नगर पालिका को पूर्वी जोन में 50 हजार से एक लाख तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है। देश के पूर्वी जोन में कुम्हारी नगर पालिका को 25 हजार से 50 हजार तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में और आरंग नगर पालिका को 15 हजार से 25 हजार तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है। पाटन नगर पंचायत को एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में देश के दूसरे सर्वाधिक स्वच्छ शहर के लिए पुरस्कृत किया गया है। ओडीएफ प्लस प्लस का दर्जा प्राप्त पाटन को गारबेज फ्री सिटी में फाइव स्टार रैंकिंग मिला है। सर्वे में रायपुर नगर निगम को एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर चुना गया है। गारबेज फ्री सिटी में रायपुर को फाइव स्टार रेंटिंग प्राप्त हुआ है।भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा हर साल देश के सभी शहरों एवं राज्यों के मध्य स्वच्छ सर्वेक्षण का आयोजन किया जाता है। इसमें विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत शहरी स्वच्छता का आंकलन किया जाता है। राज्यों एवं शहरों की रैंकिंग जारी कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों तथा शहरों को पुरस्कृत किया जाता है। मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजू एस. और सूडा के अधिकारियों सहित संबंधित नगरीय निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समन्वयक तथा स्वच्छता दीदियां भी नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह में शामिल हुईं।

आईएएस अफसरों को सौंपी गई नई जिम्मेदारियां

रायपुर,11 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य में पदस्थ आईएएस अफसरों की नई जिम्मेदारियां सौंपी है। इसके तहत रजत बंसल आयुक्त वाणिज्यिक कर जीएसटी को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी तरह श्रीमती निहारिका बारिश प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार विकास आयुक्त प्रमुख सचिव, इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, आयुक्त महात्मा गांधी नरेगा एवं संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण केवल संचालक, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अतिरिकत् प्रभार से मुक्त होंगी। शेष प्रभार यथावत रहेगा। वहीं श्रीमती पदमिनी भोई साहू प्रबंध संचालक छग मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ ही मिशन संचालक, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविकास मिशन रायपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

आकाश गुप्ता बने सीएम साय के निज सहायक

रायपुर,11 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की नवीन पदस्थापना की है। हितेश बघेल को मुख्यमंत्री की निजी स्थापना में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, सूरज साहू को मुख्यमंत्री सचिवालय में अवर सचिव और आकाश गुप्ता ,ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक को मुख्यमंत्री की निजि स्थापना में निज सहायक के रूप में पदस्थापना प्रदान की गई है।

मकर संक्रांति 15 को

रायपुर,11 जनवरी 2024 (ए)। इस वर्ष मकर संक्रांति 14 की रात को 2.44 बजे पर सूर्य धनु से मकर राशि में प्रवेश कर रहा है। 15 जनवरी को संपूर्ण देश में मकर संक्रांति का पर्व श्रद्धालुओं द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। पौराणिक मान्यता के अनुसार मकर संक्रांति के दिन ही सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में प्रवेश करता है। ऋतु परिवर्तन होने के कारण उक्त तिथि से ही दिन लंबे रातें छोटी होनी शुरू होती है। परंपरागत तरीके से उक्त दिन पतंगों को आकाश में उड़ाने का रिवाज है। तिल के लड्डू तिलपट्टी गुड के लड्डू एवं पट्टी का भोग के साथ ही चूड़ा दही का भोग भगवान शिव को लगाया जाता है।

बिजली की नई दर को लेकर राहत भरी खबर

ायपुर,11 जनवरी 2024 (ए)। प्रदेशवासियों के लिए एक सुखद खबर है कि अप्रैल से बिजली की नई दरें लागू होंगी लेकिन घरेलू दरों में बढ़ोतरी की संभावना नहीं है। यदि इसे चुनावी राजनीति से देखा जाए तो ये दरें बिल्कुल नहीं बढ़ेगी। लोकसभा चुनावों के बाद जुलाई में सप्लीमेंट्री प्लान भेजकर वृद्धि की जा सकती है । ऐसा पूर्व में एक बार किया जा चुका है। सूत्रों के मुताबिक विद्युत वितरण कंपनी ने वर्ष 2024-25 के लिए नई दरों का टैरिफ प्लान तैयार कर लिया है। उसे 15 जनवरी तक नियामक आयोग को भेज दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में भी 22 जनवरी को सभी स्कूल-कॉलेज रहेंगे बंद

» मुख्यमंत्री साय का बड़ा फैसला

» ब्लॉक स्तर पर प्रमुख मंदिरों में सुबह आरती और पूजा

रायपुर,11 जनवरी 2024(ए)। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन यानी 22 जनवरी को छत्तीसगढ़ के सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूल, कॉलेजों में छुट्टी रहेगी। छत्तीसगढ़ के धर्मस्व,पर्यटन,संस्कृति एवं शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान यह घोषणा की। इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार इस तरह का फैसला ले चुकी है।
मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मीडिया से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को श्री राम लला दर्शन योजना के तहत अयोध्या ले जाया जाएगा। इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार रेलवे से अनुबंध करके एक ट्रेन बुक करेगी, जो हफ्ते में एक दिन चलेगी।
उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि इस ट्रेन में एक बार में 850 से 1000 श्रद्धालु अयोध्या जाकर भगवान राम के दर्शन करने जाएंगे। ट्रेन में बुजुर्गों और दिव्यांगों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उनके साथ सहायक को जाने की जाने की परमिशन होगी।ट्रेन में डॉक्टर भी तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही जिस जिले से श्रद्धालु दर्शन के लिए जाएंगे वहां कोई जानकार व्यक्ति भी जायेगा। श्रद्धालुओं के रहने और खाने की व्यवस्था शासन की रहेगी। अग्रवाल ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी के ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने के लिए छत्तीसगढ़ के सभी जिलों और ब्लॉक स्तर पर प्रमुख मंदिरों में सुबह आरती, पूजा और भजन का आयोजन किया जाएगा। वहीं, इस दिन शाम को नदी या तालाब के किनारे गंगा आरती का आयोजन किया जाए और रौशनी की जाएगी।

श्रीराम वनगमन पथ के वास्तविक स्वरूप का होगा कायाकल्प

बृजमोहन ने कहा कि राज्य सरकार भगवान राम वनगमन पथ को उसके वास्तविक स्वरूप को ध्यान में रखकर काम करेगी। उन्होंने गरियाबंद जिले के भूतेश्वर महादेव, जतमई घटारानी, शिवमहापीठ, सिरकट्टी आश्रम और कोपरा के कोपेश्वर महादेव को ट्रॉयबल परिपथ के रूप में विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसके लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

स्वागत से अभिभूत होकर बोले- हम इतिहास बदलने आए हैं

» हार के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस में उभरे अंतर्कलह पर श्री पायलट ने कहा कि,हार के बाद कार्यकर्ताओं की पीड़ा स्वाभाविक होती है

रायपुर,11 जनवरी 2024(ए)। सचिन पायलट बतौर प्रभारी अपनी पहली छत्तीसगढ़ यात्रा पर पहुंचे। एयरपोर्ट में मंत्रोच्चार और जोशीले स्वागत से अभिभूत श्री पायलट बोले- हम इतिहास बदलने आए हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस आलाकमान ने प्रदेश प्रभारी सैलजा के बदले सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया है। आने वाले लोकसभा चुनाव में परफॉर्मेंस को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि, हम इतिहास बदलने आए हैं। उन्होंने कहा कि, लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह है। सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करेंगे। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस में उभरे अंतर्कलह पर श्री पायलट ने कहा कि, हार के बाद कार्यकर्ताओं की पीड़ा स्वाभाविक होती है। लोकसभा चुनाव से पहले सब कुछ ठीक हो जाएगा। मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि, प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। कांग्रेस यहां मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगी। श्री पायलट ने कहा कि, चुनाव से पहले ब्ब्ब्क ने जो वादे किए उन्हें पूरा करने के लिए हम सरकार को मजबूर कर देंगे।

सीजीपीएससी ने जारी किया सिविल जज का परिणाम

» टाप टेन की सूची में नौ लड़कियां, ईसानी ने किया टाप

» साक्षात्कार में 152 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था...

» सिविल जज के 48 पदों के लिए जून में परीक्षा ली गई थी...

» ईशानी अवधिया ने तीसरे प्रयास में प्रथम स्थान प्राप्त की...

रायपुर,11 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) ने साक्षात्कार के आखिरी दिन गुरुवार को सिविल जज (व्यवहार न्यायाधीश) के 48 पदों की अंतिम चयन सूची जारी कर दी है। प्राप्त अंकों के आधार पर 152 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार के लिए चयन किया गया है। चाणक्य ला एकेडमी के नितिन कुमार नामदेव ने बताया कि 48 पदों के लिए जून में परीक्षा ली गई थी। परीक्षा परिणाम अगस्त महीने में जारी किए गए थे।

टाइम टेबल बनाकर टारगेट सेट करके की पढ़ाई

मोवा की रहने वाली मुस्कान शर्मा ने अपने पहले प्रयास में ही जज बन गई हैं। उन्हें चौथी रैंक मिली है। उन्होंने बताया कि बीबीएएलएलबी पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स की हैं। टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई की। प्रतिदिन का टारगेट सेट करती थीं और उसे पूरा करती थीं। जब कभी किसी वजह से टारगेट पूरा नहीं होता था तो दूसरे दिन उसे पूरा करती थीं। मुस्कान ने बताया कि उनका साक्षात्कार लगभग 22 मिनट तक चला। सुप्रीम कोर्ट में कितनी महिला जज हैं और उनके नाम उनसे पूछे गए। कामर्स बैकग्राउंड से होने के कारण उन्हें इनकम टैक्स स्लैब, बैंकिंग सेक्टर से भी प्रश्न पूछे गए। पिता मनीष शर्मा बिजनेसमैन और मां साक्षी शर्मा गृहणी हैं। प्रथम प्रयास में ही रिद्धी बुरड़ आठवीं रैंक हासिल कर जज बन गई हैं। उन्होंने बताया कि वडोदरा (गुजरात) से बीएएलएलबी की पढ़ाई की। सिविल जज भर्ती परीक्षा की तैयारी के लिए आनलाइन कोचिंग शुरू की। इसमें हर रविवार को टेस्ट होते थे। उनसे परीक्षा की तैयारी करने में बहुत सहायता मिली। जो प्रश्न नहीं बनते थे, उनको घर आकर हल करती थीं। लगभग 17 मिनट तक उनका साक्षात्कार चला। छत्तीसगढ़ की भू राजस्व संहिता, भाड़ा नियंत्रक अधिनियम और ट्रांसफर आफ प्रापर्टी एक्ट से संबंधित प्रश्न उनसे पूछे गए। पापा सुभाषचंद्र जैन बिजनेसमैन और मां शारदा जैन गृहणी हैं।

रवि उप्पल को भारत लाने की तैयारी

प्रत्यर्पण आवेदन को कोर्ट की मंजूरी,खुलेंगे बड़े राज

रायपुर,11 जनवरी 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित महादेव सट्टा एप के संचालक सौरभ चंद्राकर के सहयोगी रवि उप्पल को दुबई से पूछताछ के लिए भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है। बता दें कि रवि उप्पल को दुबई में इंटरपोल ने गिरफ्तार किया था।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत के समक्ष प्रत्यर्पण आवेदन लगाया गया था, जिसे बुधवार को स्वीकार करने के साथ ही न्यायाधीश ने मंजूरी दे दी। ईडी की विशेष अदालत ने दुबई स्थित सक्षम न्यायालय को रवि को प्रत्यर्पण के तहत भारत लाने के लिए आग्रह पत्र जारी कर दिया है।
ईडी इस समूचे विधिक अभिलेख को विदेश मंत्रालय को सौंपेगा, विदेश मंत्रालय इसे दुबई स्थित भारतीय उच्चायोग को सौंपेगा। भारतीय उच्चायोग उसे दुबई की सक्षम अदालत में पेश करेगा,जिसके बाद प्रत्यर्पण के लिए विधिक सहमति दुबई की अदालत देगी।

32 दिनों से दुबई के जेल में बंद है रवि उप्पल

रवि उप्पल इस दुबई की जेल में ईडी के मामले में इंटरपोल द्वारा जारी रेड कार्नर नोटिस की वजह से हिरासत में है। नियमों के अनुरूप 60 दिनों के भीतर भारतीय दूतावास को दुबई कोर्ट को संतुष्ट करते हुए प्रत्यर्पण की कार्रवाई पूरी करा लेनी है। रवि पिछले 32 दिनों से दुबई की जेल में बंद है। रवि उप्पल को दुबई से भारत लाने की महत्वपूर्ण विधिक औपचारिकता पूरी करने लंबे अरसे से प्रयासरत केंद्रीय जांच एजेंसी को सफलता मिली है।

19 जनवरी को होगी सुनवाई

ईडी के अधिवक्ता ने बताया कि पीएसएलए की धारा 59 के अंतर्गत प्रत्यर्पित किए जाने संबंधी आवेदन कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। विशेष अदालत में दस्तावेज़ों की एक कापी को अरबी लिपि में लिपिबद्ध कर पेश किया गया है। अदालत ने दुबई स्थित सक्षम अदालत को प्रत्यर्पण के लिए आग्रह पत्र जारी कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 19 जनवरी को होगी।

हवाई फायरिंग करते वीडियो हुआ वायरल

पुलिस ने युवक को किया गिरफ्तार लाइसेंस निरस्त

रायपुर,11 जनवरी 2024(ए)। पुलिस ने हवाई फायरिंग करते वायरल वीडियो की पड़ताल कर बड़ी कार्यवाही की है। उस वीडियो मे व्यक्ति अविनाश प्राइड के पास खुले आसमान में हवाई फायरिंग करते नजर आ रहा था।जिसका वीडियो पुलिस को प्राप्त होने के बाद पुलिस द्वारा संज्ञान लेते हुए आरोपी लाली उर्फ लखविंदर सिंह पिता गुरनाम सिंह उम्र 30 वर्ष अविनाश प्राइड पर तत्काल गिरफ्तार कर लाइसेंसी रिवाल्वर मय खाली खोखे जप्त कर अपराध क्रमांक 12/2024 धारा 27,30 आर्म्स एक्ट के तहत कठोर वैधानिक कार्यवाही की गयी। साथ ही साथ लाइसेंस निरस्त करने के लिए भी कारवाही की जा रही है।

नक्सल नियंत्रण के लिए बढ़ानी पड़ेगी फोर्स : ननकी राम कंवर

रायपुर,11 जनवरी 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में एक वरिष्ठ नेता ऐसे भी हैं जो सरकार चाहे किसी भी पार्टी की हो, खरी-खरी बोलने से नहीं चूकते। जी हां हम बात कर रहे हैं प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर की। पिछली सरकार में भी कई बार वे किसी योजना की खुलकर तारीफ करते रहे, तो कभी मुख्यमंत्री तक को गरियाने से गुरेज नहीं किया। अब जबकि प्रदेश में उनकी अपनी पार्टी यानी भाजपा की दसरकार है तो भी श्री कंवर अपनी ही पार्टी की सरकार की चाल को सुस्त बता रहे हैं। उन्होंने कहा है कि, सरकार के काम धीमी गति से चल रहे हैं। त्वरित गति से कार्य होना चाहिए। श्री कंवर ने कहा कि, हर चीज समय पर कंट्रोल होना चाहिए, काम धीमी गति से चलेगा तो अपराध बढ़ेंगे।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि, मंत्रिमंडल का गठन भी बहुत देर से हुआ। भाजपा सरकार बनते ही प्रदेश में नक्सल घटनाओं में बढ़ोत्तरी पर उन्होंने कहा कि, नक्सल नियंत्रण के लिए फोर्स बढ़ानी पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि, नक्सलियों से चर्चा की जानी चाहिए। श्री कंवर ने दावा किया कि, मेरे गृहमंत्री रहते प्रदेश में अपराध कम हुआ था, ये अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

आईईडी बम लगाने वाले 4 कुख्यात नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर,11 जनवरी 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आते ही नक्सली आक्रामक होते दिख रही है। आए दिन नक्सलियों द्वारा आगजनी और आईईडी लगाने जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसी बीच खबर सामने आई है, कि 4 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। बताया जा रहा है, कि इन चारों नक्सलियों की गिरफ्तारी अलग-अलग इलाकों से हुई है। ये सभी हत्या, मार्ग अवरुद्ध जैसी कई घटनाओं में शामिल थे।दरअसल, जिले में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत जिला बल, डीआरजी एवं बस्तर फाइटर की संयुक्त कार्यवाही में अलग-अलग थाना क्षेत्र में 4 माआवादियों को गिरफ्तार कर विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुऐ, न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 23 दिसंबर 2023 को गोरना गांव के समीप आत्मसमर्पित माओवादी किसन ऊर्फ छोटू कुरसम की हत्या में शामिल फरार आरोपी नक्सली दल के मिलिशिया सदस्य दुला कुरसम को गोरना से पकड़ा गया।वही, दुरधा के जंगल का सर्च के दौरान 02 नक्सली को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नक्सलियों के पास से 05 किग्रा का टिफिन बम, कार्डेक्स वायर, डेटोनेटर, फ्यूज वायर, इलेक्ट्रिक वायर, बैटरी बरामद किया गया। वहीं, दूसरी ओर गंगालूर ईलाके से एक नक्सली मिलिशिया सदस्य माड़वी लक्खू को गिरफ्तार किया गया। चारों नक्सलियों के विरुद्ध कार्यवाही कर न्यायलय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)